हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार, मई 11, 2025

10 20 की हड़ताल को लेकर कर्मचारी नेता एकजुट

12 मेडिकल कॉलेज का नाम राव तुलाराम...

SHRI KRISHNA GROUP OF INSTITUTIONS
The Ultimate School for the New Generation
Kurhawata Road, Near Rao Tularam Chowk, M/Garh
MAHENDERGARH • SIHMA
Aff. to CBSE, New Delhi
27th YEAR

नई सोच ★ उच्च शिक्षा ★ बेहतर संस्कार

Admission Open
2025-26
Class Nur. to XII

Choosing The Right School
Is Same Like Giving
The Best Future
To Your Child

Ultimate AC Hostel for Boys Only

Ask us for More
9017 1111 00

Explore our website
www.shrikrishnagroup.org KrishnaSchoolMG

IIT-JEE Mains Qualifiers 2025

99.87 %ile
ARUN
S/o Sh. Surender & Smt. Suman

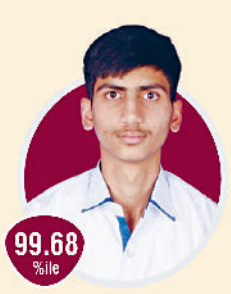
99.68 %ile
VISHESH
S/o Sh. Kuldeep Singh & Smt. Sarita

98.52 %ile
SANIA
D/o Sh. Narender & Smt. Laxmi Devi

98.22 %ile
MAHAK
D/o Sh. Birbal & Smt. Munesh

97.23 %ile
SAHIL
S/o Sh. Balwant & Smt. Geeta Devi

96.60 %ile
NIKHIL
S/o Sh. Sunil Kumar & Smt. Manju Kumari

96.55 %ile
LALIT
S/o Sh. Harish Kumar & Smt. Banita

95.69 %ile
KHUSHANT
S/o Sh. Sajjan Singh & Smt. Gayatri Devi

93.13 %ile
AMAN
S/o Sh. Inderjeet & Smt. Kavita Devi

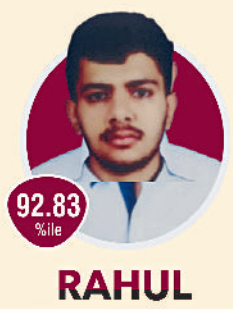
92.83 %ile
RAHUL
S/o Sh. Pawan Kumar & Smt. Neelam

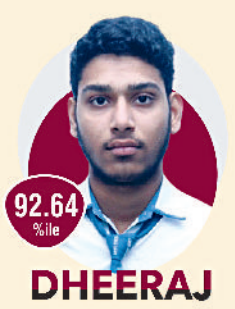
92.64 %ile
DHEERAJ
S/o Sh. Manjeet & Smt. Sunita

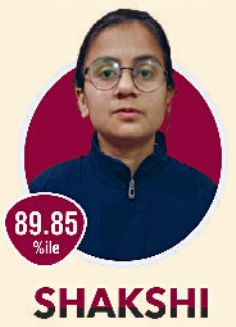
89.85 %ile
SHAKSHI
D/o Sh. Ravikant & Smt. Sarmila

89.72 %ile
NIKHIL
S/o Sh. Dinesh Kumar & Smt. Kamlesh

87.10 %ile
NIKHIL
S/o Sh. Ramotar

85.00 %ile
JATIN
S/o Sh. Balwant & Smt. Geeta Devi

83.94 %ile
NILESH
S/o Sh. Parveen Kumar & Smt. Shashi Devi

82.09 %ile
HIMANSHU
S/o Sh. Hargyan & Smt. Neelam

80.00 %ile
SUNAINA
D/o Sh. Vijender Kumar & Smt. Priyanka

NEET-2024

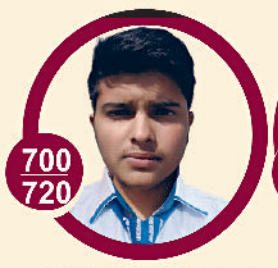
700/720
AJAY KUMAR
S/O RAJESH YADAV

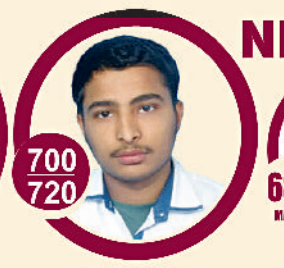
700/720
TANUJ
S/O JITENDER YADAV

686 MARKS
MANISHA
D/O SUBHASH

648 MARKS
DAKSH
S/O AJAY KUMAR

655 MARKS
JAI YADAV
D/O VIJAY SINGH

644 MARKS
KHUSHI
D/O MAHENDER SINGH

637 MARKS
RAJAT SHARMA
S/O RAJESH SHARMA

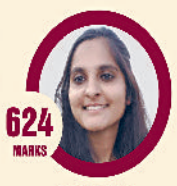
624 MARKS
ANISHA
D/O ISHWAR SINGH

623 MARKS
ASHU PAL
D/O AJAY PAL

620 MARKS
ARPIT
D/O PARSHANT

608 MARKS
MUSKAN
D/O MAHENDER SINGH

606 MARKS
VISAKHA
D/O SURENDER YADAV

557 MARKS
SHIKSHA
D/O RANDHEER SINGH

CA FOUNDATION Qualifiers

Palak

Sneha

Preeti Sihma

We believe in results..... Heartiest Congratulations!

JNV Selection 2024-25 for Class 9th

CBSE Class X Result 2024
Above 80% 97 STUDENTS
Above 85% 68 STUDENTS
Above 90% 33 STUDENTS
Above 95% 02 STUDENTS

CBSE Class XII Result 2024
Above 80% 110 STUDENTS
Above 85% 62 STUDENTS
Above 90% 31 STUDENTS
Above 95% 05 STUDENTS

60+ NEET | 71+ IIT | 08 NDA | 05 NTSE | 03 CA Foundation | 60 SAINIK SCHOOL | 06 MILITARY SCHOOL | 188 OLYMPIAD | 08 Jawahar Navodaya Vidyalaya

Saksham
S/o Mr. Ishwar

Dhara
D/o Mr. Sherpal

AARTI
D/o Mr. Sudhir Deroli Ahir

NAVYA
D/o Mr. Karamveer Dublana

खबर संक्षेप

नारनौल। ट्रैक्टर–ट्राली समेत पकड़ा गया आरोपित। फोटो : हरिभूमि

अवैध खनन पर ट्रैक्टर ट्राली सीज की

नारनौल। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए निजामपुर क्षेत्र में अवैध खनन कर ट्रैक्टर–ट्राली में पत्थर भरकर ले जाते पकड़कर उसे सीज करा दिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार अवैध खनन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए महेंद्रगढ़ पुलिस की एक स्पेशल टीम गठित की हुई है। थाना निजामपुर और गठित टीम के द्वारा निजामपुर के बायल क्षेत्र से एक ट्रैक्टर–ट्राली को पकड़ा गया है, जिसमें अवैध खनन कर पत्थर भरे हुए थे। स्पेशल गठित टीम और थाना निजामपुर की पुलिस टीम ने इनको पकड़ने के लिए स्पेशल चैकिंग अभियान चलाया। खनन रहित क्षेत्र में अवैध खनन कर ट्राली में पत्थर भरकर ले जाए जा रहे थे। ट्रैक्टर-ट्राली का चालान किया तथा खनन विभाग की टीम द्वारा सीज किया गया।

युवक पर लाठी व डंडों से हमला, केस दर्ज

नांगल चौधरी। ढाणी सैनिया (थनवास) निवासी युवक रामस्वरूप पुत्र धामूराम पर नामजद युवकों ने लाठी और डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस की मदद से परिजनों ने नांगल चौधरी सीएचसी में पहुंचाया। जहां से उसे हायर सेंटर के लिए रैफर कर दिया। लालाराम ने बताया कि भाई रामस्वरूप फ्लाइओवर की तरफ गया था। वहां पहले से ही बैठे तीन-चार नामजद युवकों ने रामस्वरूप से लाठियों से हमला कर सड़क के किनारे पर फैंक गए। देर रात तक उसकी तलाश में बस स्टैंड पर पहुंचे। यहां से थोड़ी दूरी पर सड़क के किनारे पड़ा हुआ दिखाई, जिसकी शिनाख्त करने के बाद 112 पर शिकायत दर्ज कराई।

कंपनी के गेट के पास खड़ी बाइक चोरी

बावल। औद्योगिक एरिया में चोर एक कंपनी के गेट के पास खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में चीताडूंगरा निवासी सतीश कुमार ने बताया कि वह सेक्टर-5 की एक कंपनी में नौकरी करता है। वह बाइक लेकर घर से कंपनी आया था। बाइक गेट के पास लॉक करके खड़ी करने के बाद वह अंदर चला गया। जब वह कंपनी से बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद चोरी की जांच शुरू कर दी।

मारपीट मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

धारूहेड़ा। आजाद नगर में 5 मई को मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस बयान में महेंद्रगढ़ के कुरावटा निवासी अनूप यादव ने बताया था कि वह एक मकान में बैठा हुआ था मकान मालिक रेखा के साथ बैठा हुआ था। उसने आरोप लगाया था कि मकान बनाने वाला ठेकेदार खरखड़ा निवासी अरुण अपने साथियों के साथ वहां आया और पैसे के लेनदेन को लेकर उसके साथ मारपीट करना शुरू कर दिया। पुलिस ने जांच करते हुए अरुण, मोहित व कमला नगर निवासी तेजपाल को गिरफ्तार कर लिया।

भारतीय सैनिकों की सुरक्षा के लिए विद्यार्थियों ने भगवान से की प्रार्थना, मंदिरों में चढ़ाया प्रसाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। लंबोरिया स्कूल में सैनिकों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते विद्यार्थी।

भारत-पाकिस्तान बार्डर पर गोलीबारी व मिसाइलों से हमला हो रहा है। सैनिकों की जीवन रक्षा के लिए लंबोरिया एकेडमी बूढ़वाल में विद्यार्थियों ने भगवान से प्रार्थना की और मंदिरों में प्रसाद चढ़ाया है। साथ ही उन्होंने शहीद हुए सैनिकों व सिविलियन लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। विद्यार्थियों ने कहा भारतीय सेना के पराक्रम से पाकिस्तान मं भय का माहौल बना हुआ है, जल्द ही आतंक का सफाया हो जाएगा। प्रार्थन सभा की अगुवाई निदेशक राजपाल लंबोरा ने की है। उन्होंने कहा कि भरतीय सेना का साहस और अनुशासन पूरे विश्व में विख्यात है। दुश्मन की सेना को कुचलने की क्षमता होने के बावजूद शांति और भाईचारे में विश्वास रखती है लेकिन पड़ोसी देश पाकिस्तान को अमन-शांति पसंद नहीं और बीते कई दशकों ने आंतकवाद को पनाह दे रहा है। इन्ही आतंकियों को भारत में भेजकर जानलेवा वारदात करवा रहा है, जिससे पूरे देश में आक्रोश की स्थिति बनी हुई है। बीते महीने पहलगाम में 27 सैलानियों को उनका धर्म पूछकर मार दिया और मानवीयता की धज्जियां उड़ाई हैं। अब आतंकवाद को खत्म करने के मकसद से भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया है, मिशन के तहत सात मई को पाकिस्तान में घुसकर आंतकियों के नौ ठिकानों को धवस्त कर दिया। जिससे बौखलाया पाक सैनिकों व सिविलियन पर गोलीबारी व मिसाइलें फैंकनी आरंभ कर दी। विद्यार्थियों ने सुबह प्रार्थना सभा करके सैनिकों की सुरक्षा मांगी है। इसके बाद शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सेना के जवानों का हौंसला बढ़ाने को हवन

महेंद्रगढ़। *बुचौली रोड स्थित शिक्षा नगर में श्री हनुमान मंदिर में सभी कॉलोनी के लोगों ने मिलकर भारतीय सेना के जवानों का हौंसला बढ़ाने के लिए हवन करके उनकी सलामती के लिए प्रार्थना की गई। इसके अलावा हवा में माता केसर के द्वारा करवाया गया और यजमान के रूप में इंद्रजीत व उनकी पत्नी रिंकू रही। इंद्रजीत सिंह ने बताया कि सैन्य शक्ति का अतुलित शौर्य का हम सभी सुरक्षित रहकर अनुभव कर रहे है। देश की रक्षा में तत्पर सैनिक की सुरक्षा के लिए आवश्यक है कि हम सभी अतुल्य, अतुलित, अलौकिक, अद्भुत सनातन शक्ति का स्मरण मनन कर प्रयोग करें। जब भी समय की अनुकूलता हो तब चौपाई, सुंदरकांड, हनुमान चालीसा अथवा अपने अभीष्ट इष्ट का मंत्र, माला, कीर्तन, नाम जप, अरदास, प्रार्थना, ध्यान, दुआ आदि जो भी जैसे भी संभव हो अवश्य प्रारम्भ करें। वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुका है कि इन सब प्रकार के माध्यमों से सकारात्मक ऊर्जा का ज्वार उत्पन्न होता हैं। हमारे राष्ट्र और राष्ट्र के रक्षक वीर सैनिकों की हर आपदा में सुरक्षा करेगा और मां भारती को परम वैभव की और अग्रसर करेगा। इस मौके पर शिक्षा नगर प्रधान भारत भूषण, विजय, कप्तान रमेश चंद्र, वीरेंद्र सिंह फौजी, सतीश, संदीप सहित महिलाएं व बच्चे उपस्थित रहे।*

हर माह औसतन एक हजार लोग अल्ट्रासाउंड कराने को आते हैं मरीज

नागरिक अस्पताल में नहीं है अल्ट्रासाउंड मशीन की सुविधा, मरीजों को परेशानी

- शहर व ग्रामीण क्षेत्र के 60 से अधिक गांवों की लाखों की आबादी को प्राइवेट अस्पतालों में भारी खर्च उठाना पड़ रहा
- शहर के नागरिक अस्पताल की सुविधाओं में कोई बदलाव नहीं आया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नागरिक अस्पताल का भवन। फोटो : हरिभूमि

नागरिक अस्पताल में वर्षों से अल्ट्रासाउंड मशीन नहीं है। अस्पताल में प्रतिमाह एक हजार से अधिक पथरी, पेट दर्द व गर्भवति महिलाओं को निजी लैब से अल्ट्रासाउंड की जांच करवानी पड़ रही है।

शहर व ग्रामीण क्षेत्र के 60 से अधिक गांवों की लाखों की आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का जिम्मा उठाने वाले नागरिक अस्पताल के पास अल्ट्रासाउंड मशीन तक उपलब्ध नहीं है। ऐसे में नागरिक अस्पताल में आने वाले रोगियों को जिम्मेदार भी पर्ची बनाकर थमा देते हैं। हर माह औसतन एक हजार लोगों पर अल्ट्रासाउंड के रूप में लाखों रुपये का अतिरिक्त भार भी पड़ रहा है। यह हाल केवल महेंद्रगढ़ के नागरिक अस्पताल का नहीं बल्कि सतनाली, कनीना, सेहलंग, नांगल सिरोही सहित का भी है। नारनौल क्षेत्र में भी केवल नागरिक अस्पताल में ही अल्ट्रासाउंड की सुविधा है। बता दें कि वर्ष 2019 में क्षेत्र के लोगों की मांग को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा उप नागरिक अस्पताल में दर्जा बढ़ाकर महेंद्रगढ़ नागरिक अस्पताल का दर्जा दिया था। इसके अलावा सरकारी अस्पताल को 50 बैड से बढ़ाकर 100 बैड का बनाने की घोषणा की गई थी। जब शहर के सरकारी अस्पताल को नागरिक अस्पताल का दर्जा मिला तो यहां लोगों को काफी उम्मीद थी कि उनको अपने शहर में निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं मिलेगी। लेकिन लोगों की उम्मीदें धरी की धरी रह गई। पांच साल बीतने के बाद भी शहर के नागरिक अस्पताल की सुविधाओं में कोई बदलाव नहीं आया है।

300 से 1000 रुपये देना पड़ रहा चार्ज

शहर के नागरिक अस्पताल में लंबे समय से अल्ट्रासाउंड मशीन नहीं होने के कारण लोगों को मजबूरीवश निजी सेंटर का सहारा लेना पड़ रहा है। जहां अल्ट्रासाउंड के लिए 300 से 1000 रुपये चार्ज देना पड़ रहा है। ऐसा नहीं की क्षेत्र के लोगों ने यह मांग न उठाई हो लगातार सामाजिक संगठनों के लोग नागरिक अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन उपलब्ध कराने की मांग उठा रहे हैं, लेकिन सरकार व जिम्मेदार लोगों की इस मांग पर कोई ध्यान नहीं दे रही है। जिम्मेदार भी अस्पताल में आने वाले रोगियों को अल्ट्रासाउंड की पर्ची बनाकर हाथ में थमाने के अलावा कोई प्रयास नहीं कर रहे हैं। प्रतिदिन 20 से 30 मरीज पत्थरी, पेट दर्द व गर्भवती महिलाएं पहुंचती है जिन्हें अल्ट्रासाउंड की आवश्यकता होती है। नागरिक अस्पताल पर क्षेत्र के करीब 60 से 70 गांवों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने की जिम्मेदारी है।

महेंद्रगढ़। लिंग अनुपात में सुधार को लेकर शपथ दिलाते स्वास्थ्य विभाग की टीम।

लिंग अनुपात में सुधार को लेकर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव स्याणा में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत लिंग अनुपात में सुधार को लेकर जागरूकता बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रभा यादव ने लिंग अनुपात के महत्व और कन्या भ्रूण हत्या के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और शपथ भी दिलाई। इस मौके पर हेल्थ इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार व सरपंच वीरपाल उपस्थित रहे। डॉ. प्रभा यादव ने लिंग अनुपात में सुधार के लिए लोगों को जागरूक किया और कन्या भ्रूण हत्या न करने की अपील की। उन्होंने आशा वर्कर, आंगनबाड़ी वर्कर और स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिए गए कि वे गांव में हर गर्भवती महिला का रिकॉर्ड अपडेट करें और पहली तिमाही में उनका पंजीकरण कराएं। हेल्थ इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से निश्चित रूप से लिंग अनुपात में सुधार होगा और समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा। मौके पर महिला एवं बाल विकास विभाग से जग्गो देवी, एलएचवी मुन्नी देवी, सीएचओ आशा कुमारी, भूपेंद्र, प्रियंका, नवनीत, इंद्रजीत आदि शामिल थे।

आतंकवाद को सहन नहीं करेगा नया भारत : एडवोकेट राकेश शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- पाकिस्तान हमसे तीन बार युद्ध हार चुका है

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता राकेश शर्मा ने पहलगाम पर हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारत की सेना द्वारा ऑपरेशन सिंदूर चला कर आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले के संबंध में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले दिन ही कहा था कि पहलगाम हमले के एक-एक दोषी से बदला लिया जाएगा तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जनता से किए गए अपने वायदे को पूरा करके भी दिखाया तथा आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना पर हमें गर्व है। सेना द्वारा चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि व उनके परिजनों के साथ न्याय है। शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों पर हमले किए गए हैं तथा पाकिस्तान की शरण में पनप रहे आतंकियों को ऐसा सबक सिखाया कि वे अब दोबारा से इस तरह की हरकत करने के लायक भी नहीं रहेंगा। एडवोकेट राकेश शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत देश मजबूत,सशक्त व सुरक्षित है तथा आतंकवाद के खिलाफ चलाया गया ऑपरेशन स्पष्ट चेतावनी है कि भारत देश ने अब सहनशक्ति की सभी हदें पार कर दी तथा अब भारत आतंकवाद को पूरी तरह से खत्म करके ही दम लेगा। शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान हमसे तीन बार युद्ध हार चुका है। पाकिस्तान ने 1965, 1971 और सन 1999 में कारगिल युद्ध में भी भारत से मार खाई है।

गौशाला में लगाई गो सवामणी

नारनौल। भारत व पाकिस्तान के बार्डर पर अपने शौर्य और साहस का परिचय दे रहे हमारे वीर जवानों की कुशलक्षेम के लिए भारत विकास परिषद के सक्रिय सदस्य सुभाष कश्यप व उनकी धर्मपत्नी सरोज कश्यप ने स्थानीय गौशाला में पहुंचकर भगवान कृष्ण की प्यारी गायों को ताजी हरी सब्जियां खिलाई। यह सेवा कार्य दंपति द्वारा गौवंश के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा और समर्पण को दर्शाता है। सुबह के समय गौशाला पहुंचे और अपने हाथों से 500 गायों को ग्यारह क्विंटल ताजा घिया की सब्जी खिलाई। गायों ने भी बड़े चाव से इस पौष्टिक आहार को ग्रहण किया। सचिव मुकेश जैन और सेवा प्रकल्प प्रमुख पवन यादव ने कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है और हम सभी को इसमें अपना योगदान देना चाहिए।

सूरज स्कूल में मनाया मातृदिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों की माताएं। फोटो : हरिभूमि

सूरज स्कूल में मातृ दिवस पर विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय की संस्कृति, मूल्यों और समग्र शिक्षण पद्धति को सुंदर रूप में प्रस्तुत किया गया। विद्यालय के जूनियर ब्लॉक में नर्सरी से पांचवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों की माताओं को इस मातृ दिवस पर विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। विद्यालय स्टाफ और विद्यार्थियों ने तिलक लगाकर और फूल बरसाकर अतिथियों का स्वागत किया। उपनिदेशिका गायत्री यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सर्वप्रथम कक्षा सातवीं की छात्रा अंकिता ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। इसके पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न एकल गीत, समूह गीत, एकल नृत्य, समूह नृत्य, लघु नाटिका, काव्य पाठ, भाषण आदि प्रस्तुत किए। इन सभी कार्यक्रमों में मां की महिमा को आभामंडित किया। निदेशक संदीप प्रसाद ने कहा कि हमारे जीवन में आने वाले विभिन्न व्यक्तियों में मां का स्थान सर्वोपरि है। इस अवसर पर उपनिदेशिका गायत्री यादव, प्राचार्य चंद्रपाल यादव, अकादमिक कोआर्डिनेटर विनीत, नमिता, कविता सोनी, पूनम, शारदा एवं शशिबाला उपस्थित रही।

20 की हड़ताल को लेकर कर्मचारी नेता एकजुट

आगे की बनाई रणनीति, अध्यापक संघ भी लेगा भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। यादव कल्याण सभा में मीटिंग करते कर्मचारी नेता। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक यादव धर्मशाला में जिला प्रधान अमीलाल गुर्जर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में राज्य प्रधान प्रभु सिंह (संबंधित सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा एवं स्कूल टीचर फेडरेशन ऑफ हरियाणा) मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। राज्य कार्यकारिणी सदस्य पवन कुमार, पूर्व प्रधान सर्व कर्मचारी संघ धर्मेंद्र यादव, जिला प्रधान सर्व कर्मचारी संघ कौशल यादव, राज्य सचिव सर्व कर्मचारी संघ महेंद्र बोयत एवं रिटायर्ड कर्मचारी संघ प्रदेश सचिव धर्मपाल शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। राज्य प्रधान प्रभुसिंह ने अध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि 20 मई को देशव्यापी हड़ताल में हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ बढ़–चढ़कर भाग लेगा। बैठक में बैठक का संचालन जिला सचिव सुरेंद्र कुमार, ब्लॉक प्रधान नांगल चौधरी दिलीप सिंह, पूर्व ब्लॉक प्रधान अटेली सुरेश यादव, पूर्व ब्लॉक सचिव अटेली कैलाश चौहान, ब्लॉक प्रधान सर्व कर्मचारी संघ नांगल चौधरी लेखराम, सुरेंद्र कुमार, पूर्व जिला सचिव हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ भूपसिंह यादव, कौशल यादव, महेंद्र बोयत, पूर्व जिला प्रधान किरोड़ी सैनी व अन्य उपस्थित रहे।

नेतराम स्कूल ने मनाया मदर्स डे

नारनौल। राव नेतराम पब्लिक स्कूल सलीमपुर में मदर्स डे पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्राचार्य अनिता देवी ने की। कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती देवी के चरणो में दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर नन्हें बच्चों द्वारा किए गए नृत्य ने सबको मन्त्र-मुग्ध किया। जिसमें अभिभावको की अहम भूमिका अदा करने पर बधाई देते हुए अपना कीमती समय निकालने पर उनका धन्यवाद दिया। इस मौके पर विद्यालय स्टाफ अनुराधा, पारूल, ज्योति, मन्जू, ज्योति आदि उपस्थित रहे।

नामांकन में फर्जी सर्टिफिकेट, डीसी ने नैचाना के पंच को किया पदमुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बावल

पंचायत चुनावों में नामांकन के दौरान दसवीं की फर्जी सर्टिफिकेट पेश करने के मामले में डीसी ने नैचाना के पंच को दोषी करार देते हुए पदमुक्त किया है।

डीसी की ओर से बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद पंच की ओर से अपना पक्ष नहीं रखा गया, जिस कारण डीसी ने उसके खिलाफ फैसला सुना दिया। पूर्व पंच को 6 साल तक चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य भी घोषित किया गया है। वर्ष 2022 में हुए पंचायत चुनावों वार्ड नं. 9 से राहुल को पंच निर्वाचित घोषित किया गया था। एक ग्रामीण की ओर से चुनाव आयोग को शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया था कि राहुल ने नामांकन के समय दसवीं की जो सर्टिफिकेट प्रस्तुत की, वह फर्जी है। डीसी को दर्ज शिकायत पर बावल बीडीपीओ की ओर से जांच कराई गई थी। बीडीपीओ ने अपनी रिपोर्ट में राहुल की ओर से पेश की गई सर्टिफिकेट को फर्जी करार दिया था। इसके बाद डीसी ने पंच को अपना पक्ष रखने के लिए गत 17 अप्रैल को नोटिस जारी किया था।

1965 और 1971 में कैडेट्स को सुरक्षा की दूसरी पंक्ति में इस्तेमाल किया गया था

कैडेट बोले, मौका मिलेगा तो ट्रेनिंग देश सेवा के काम आएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

मेजर वीरेंद्र सेकवाल

प्रवीण कुमार

तृप्ति सैनी

देश के युवाओं का जज्बा देशप्रेम से ओतप्रोत है। अर्द्ध सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त करनेवाले एनसीसी कैडेट इस समय भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति में सहयोग करने की भावना रखते हैं। कैडेटों का कहना है कि हमें यदि बॉर्डर पर वीर सैनिकों की सहायता के लिए भेजा जाता है तो हम तैयार हैं। जो भी ट्रेनिंग हमने ली है, उस स्किल का लाभ उठाते हुए हम उन्हें सहयोग कर सकते हैं। हम देश के अंदर भी विपरीत परिस्थिति को अनुकूल बनाने में सहयोग कर सकते हैं। हम सभी तरह से तैयार हैं। हमें कैडेट के रूप में सैन्य प्रशिक्षण दिया गया है। यह बात मेजर वीरेंद्र सेकवाल ने कही। उन्होंने कहा कि आपात स्थिति में हम देश की सीमा में वीर सैनिकों का सहयोग कर सकते हैं। युद्ध के दौरान घायल सैनिक की प्राथमिक चिकित्सा, हाथियार पहुंचाने और बंकर की सुरक्षा में सहयोग कर सकते हैं। मौका मिलेगा तो देश सेवा बॉर्डर पर करना चाहेंगे। महिला कॉलेज से पूर्व एनसीसी कैडेट तृप्ति सैनी ने बताया कि हमें सुरक्षा, हथियार चलाने, विपरीत परिस्थिति में बचाव के तरीके ट्रेनिंग के दौरान बताए गए हैं। हमें बताया गया है कि युद्ध क्षेत्र में एनसीसी कैडेट सहयोगी की भूमिका में हो सकते हैं। हम तैयार हैं। हमारा स्किल वार क्षेत्र में भी काम आएगा।

हम भी वीर सैनिकों का सहयोग करने को तैयार

के पूर्व सीनियर अंडर ऑफिसर प्रवीण कुमार (सोनू वर्मा) ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए कहा है कि हम जैसे कैडेट भी चाहते हैं, बॉर्डर पर अपने वीर सैनिकों का सहयोग करें। अवसर मिलेगा तो बिल्कुल तैयार हैं। हम देश के अंदर भी शांति व स्थिरता बनाए रखने में सिविल डिफेंस के रूप में सहयोग कर सकते हैं। 1965 और 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान एनसीसी कैडेट्स को सुरक्षा की दूसरी पंक्ति में इस्तेमाल किया गया था। अगर अब भी मौका मिलेगा तो हम तैयार हैं। एनसीसी में तीन साल में जो प्रशिक्षण दिया गया है, वह स्किल देश सेवा के काम आएगा।

खबर संक्षेप

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित एसडीएम व विद्यार्थी।

स्वर्गीय विश्वनाथ कानोडिया का जन्मोत्सव मनाया

महेंद्रगढ़। सेठ झम्मूमल पंचायती धर्मशाला मसानी चौक स्थित धर्मशाला में बाल चरित्र निर्माण सभा के सौजन्य से स्वर्गीय विश्वनाथ कानोडिया का जन्मोत्सव मनाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि उपमंडल अधिकारी नागरिक अनिल यादव थे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता सभा निदेशक राजेंद्र वानप्रस्थी ने की। मुख्यातिथि ने बच्चों से गीता पाठ व समसामयिक घटनाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बच्चों व अभिभावकों से आग्रह किया कि वे नैतिक शिक्षा व संस्कारों की तरफ अधिक ध्यान दें। कार्यक्रम के समापन पर उन्होंने बच्चों को किताबें व कॉपियां बांटकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर रतिराम टांक, जगदीश कटारिया, डॉक्टर अशोक, श्याम सुंदर, सत्यकाम कानोडिया, ओमप्रकाश, सतवीर यादव, संतोष, सुरेश वर्मा व राजेंद्र गौड़ आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अग्रवाल सभा भवन में 14 मई तक संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा

श्रीमद भागवत नारायण का स्वरूप

सत्य में राम, सत्य में कृष्ण व सत्य में ही शिव, ऐसे ही बना सत्यम शिवम सुंदरम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। श्रीमद्भागवत कथा करते आचार्य मनीष शास्त्री।

शहर के नई मंडी अग्रवाल सभा भवन में आठ मई से 14 मई तक संगीतमय श्री मदभागवत कथा का आयोजन किया जा रहा हैं, जिसमें शनिवार को सर्वप्रथम मुख्य यजमान हनुमान प्रसाद अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, विकास अग्रवाल, महावीर अग्रवाल सभी ने सपत्नी एवं समस्त मंगल परिवार द्वारा आचार्य मनीष शास्त्री, पं.अशोक, पं राघव शास्त्री, पं जितेंद्र शर्मा और पं.गौरव शर्मा ने विधिविधान से श्रीगणपति पूजन करवाया गया। द्वितीय दिवस की कथा में आचार्य बजरंग शास्त्री ने बताया कि भागवत की कथा सहजता में मिलना बहुत कठिन है। जीव के जब बहुत जन्मों के पुण्य उदय होते है तब श्रीमद् भागवत कथा की प्रप्ति होती है। भागवत की कथा धन्य है जो कष्टों को दूर करने वाली है। जो जीव श्रद्धा के साथ कथा को श्रवण करता है। प्रभु उनकी मनोकामनाओं को पूर्ण करते हैं और जीव परम पद को प्राप्त करता है।

आचार्य बजरंग शास्त्री ने बताया कि श्रीमद भागवत साक्षात नारायण का स्वरूप है, मुक्ति प्रदाता है और भागवत के आरम्भ में सबसे पहले सत्य को प्रणाम किया गया है क्योंकि सत्य में ही राम है। सत्य में ही कृष्ण है और सत्य में ही शिव है इसलिए लिखा है सत्यम शिवम सुंदरम। आचार्य ने बताया कि घर परिवार का पालन पोषण करना हमारा धर्म है, लेकिन हमारी हर एक श्वास में प्रभु का नाम स्मरण होता रहे, यही मानव जीवन का परम धर्म है। हम सभी को विश्वास के साथ निस्वार्थ भक्ति ही करनी चाहिए। क्योंकि यही मानव जीवन का परम धर्म है। भागवत में मुख्य रूप से भगवान के 24 अवतारों का वर्णन किया गया है, इसके बाद आचार्य ने व्यासजी के जन्म, शुकदेव जन्म और परीक्षित जी के जन्म की और कलियुग आगमन, कुंती स्तुति , भीष्म पितामह द्वारा देह त्याग ,राजा परीक्षित जी को संत के श्राप और शुकदेव आगमन की कथा सुनाई। इसके उपरांत शुकदेव द्वारा भगवान नारायण द्वारा बह्मा को चतु:श्लोकि भागवत उपदेश किया और बताया कि किस प्रकार भगवान वराह रूप धारण किया और हिरण्याक्ष का उद्धार किया और रसातल मे गई पृथ्वी को लेकर आए। आचार्य ने बताया कि भगवान नारायण की आज्ञा से ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण आरम्भ किया और सर्वप्रथम दस प्रकार की सृष्टि वर्णन किया। उसके उपरांत ब्रह्माजी ने अपने शरीर से सृष्टि के पहले पुरुष मनु और स्त्री शतरूपा को महारानी को प्रकट किया। कथा के अंत में श्रीशुकदेवजी एवंम परीक्षित जी सुंदर झांकी भी दिखाई। जिसका सभी ने पूजन किया। अंत में सुंदर भजन भी सुनाए गए जिसमें सभी ने झूम कर नाच कर अपनी हाजिरी लगाई।

आचार्य ने कथा में कहा कि मनुष्य को अपने घर और समाज के कार्य करते हुए प्रभु का नाम स्मरण एवम पुण्य के कार्य भी अवश्य करते रहने चाहिए, वो व्यक्ति धन्य होता है। जो प्रभु का नाम स्मरण करता है और करवाता है क्योंकि व्यक्ति दुनिया से विदा होकर जाता है तब सब यही छोड़कर चला जाता है। केवल उसके पुण्य कर्म एवम भजन स्मरण और उसकी अछाई बुराई ही उसके साथ जाती है। इस मौके पर हनुमान प्रसाद अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, विकास अग्रवाल, महावीर प्रसाद अग्रवाल, मोहन अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, राजेश चौधरी, रजत चौधरी, सुरेंद्र चौधरी, लोकेश चौधरी, विकास गोयल, जीतेन्द्र अग्रवाल, अनिल गोयल, संजय अग्रवाल, अशोक गोयल, महेश केडिया, सुरेश केडिया, मुकुट बिहारी, सीला देवी, हिमानी अग्रवाल, स्वीटी अग्रवाल, ऋतु गोयल, प्रीति अग्रवाल, रेखा संघी, काजल मेहता, मेनका मेहता एवं समस्त मंगल परिवार सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

श्री श्याम आस्था मंडल के संकीर्तन में भजनों पर जमकर थिरके भक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। संकीर्तन में यजमान को सम्मानित करते मंडल सदस्य।

श्रीश्याम आस्था मंडल का साप्ताहिक संकीर्तन रेवाड़ी रोड जलेबी वाली गली में स्थित संजय अग्रवाल बिट्टू आवास पर किया। अध्यक्षता मंडल प्रधान हरिओम गर्ग ने की। सुरेश सोनी ने बाबा का भव्य दरबार रंग बिरंगे फूलों एवं लाइट से सजाया।

प्रवक्ता हेमंत गुप्ता ने बताया कि आचार्य नवीन कौशिक ने संजय अग्रवाल रेखा अग्रवाल से परिवार सहित बाबा की पवित्र ज्योत प्रज्वलित करवाकर एवं ऑर्गन मास्टर व सतीश राणा ने गणेश वंदना करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। भजन गायकर विनोद सराफ दास, महेंद्र, महेश मस्ताना, संजय शर्मा, नवीन कौशिक, हिमांशु चौधरी आदि कलाकारों ने भजनों से वातावरण श्याममय बना दिया। अंत में यशपाल कीर्ति ने ऐसी मस्ती कहा मिलेगी, धमाल सुनकर भक्तों को नाचने पर विवश कर दिया। भजनों के बीच बीच में भूपेश तिलकधारी के कलाकारों ने सुंदर झांकी निकलकर सबका मन मोह लिया। अंत में मंडल द्वारा यजमान को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। जागरण में नरेश जैन मनोज वालिया, विजय जैन, बलवान जांगिड़, राम मूर्ति अग्रवाल, रेखा, कनु, सुजाता, सविता, स्नेह लता, प्रेमलता, धीरज शशी गर्ग, दिलीप गर्ग, अंजू गर्ग, पंकज गर्ग, पायल गर्ग, कोमल गर्ग, कुलदीप गर्ग, अशोक सिंगल, महावीर प्रसाद, प्रधान अशोक शर्मा, नवीन बंसल, नरेंद्र राकेश गुप्ता, गौरी शंकर, संजय शर्मा, रामेश्वर शर्मा, जतिन आदि श्यामप्रेमी हाजिर रहे।

जीएल पब्लिक स्कूल में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन आयोजित

कनीना। सम्मेलन में उपस्थित अभिभावक। फोटो : हरिभूमि

कनीना। जीएल पब्लिक स्कूल में सत्र 2025-26 का प्रथम अध्यापक-अभिभावक मिलन समारोह का आयोजन किया गया। अभिभावकों को अध्यापकों तक पहुंचने के लिए किसी प्रकार की समस्या न हो इसके लिए स्कूल प्रबंधन की तरफ से विशेष इंतजाम किया गए। प्राचार्य डॉ. आरके शर्मा ने बताया कि मिलन समारोह में अभिभावक को विद्यार्थियों की शिक्षा संबंधी एवं प्रथम यूनिट टेस्ट में विषयवार हासिल किए गए अंकों की जानकारी दी गई। अध्यापक-अभिभावक मिलन समारोह में सैकड़ों की संख्या में अभिभावकों ने स्कूल पहुंचकर अपने बच्चों के बारे में रिपोर्ट प्राप्त की एवं उनके भविष्य को संवारने के लिए अध्यापकों से मिलकर उचित मार्गदर्शन देने पर विचार-विमर्श किया। प्राचार्य ने बताया कि माता-पिता और शिक्षक बच्चे के विकास में महत्त्वपूर्ण सहयोगी भूमिका निभाते हैं। शिक्षा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उच्च स्तर लोगों को सामाजिक एवं पारिवारिक आदर के साथ-साथ एक अलग पहचान बनाने में

अटेली हलके में निकाली न्याय यात्रा, भव्य स्वागत : अतर लाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। गांव में अटेली न्याय यात्रा को संबोधित करते नेताजी अतरलाल।

अटेली हल्के की मांगों को पूरा करवाने के लिए बसपा नेता समाजसेवी नेताजी अतरलाल द्वारा निकाली जा रही अटेली न्याय यात्रा का धनुंदा, उनिंदा, अटेली तथा बेगपुर गांवों में पहुंचने पर ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया गया। अतरलाल ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि न्याय यात्रा का मकसद अटेली हलके की मांगों तथा हकों की आवाज बुलंद कर राज्य सरकार से लंबित मांगों को पूरा करवाना है। उन्होंने कहा कि हलके के कमजोर नेतृत्व के कारण अटेली विकास की दौड़ में पिछड़ता जा रहा है। उन्होंने हरियाणा सरकार द्वारा राज्य में 10 आईएमटी स्थापित करने के निर्णय का स्वागत करते हुए अटेली हलके में भी एक आईएमटी स्थापित करने की मांग की। राज्य सरकार पर भेदभाव तथा उपेक्षापूर्ण रवैये का आरोप लगाते हुए अतरलाल ने कहा कि लोकतंत्र में विकास कार्य समानता और न्याय पर आधारित होने चाहिएं। परंतु राज्य सरकार अटेली को उपमंडल तथा दौंगड़ा अहीर को उपतहसील न बनाकर इलाके के लोगों के साथ भेदभाव कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को अटेली को उपमंडल तथा दौंगड़ा अहीर को उपतहसील बनाने की अधिसूचना तत्काल जारी कर इसके लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कारगर कदम उठाने चाहिएं।

ट्रेन से महिला का हैंडबैग लेकर फरार

रेवाड़ी। ट्रेनों में रेल यात्रियों का सामान चोरी होने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। जीआरपी और आरपीएफ इन पर रोक लगाने में नाकाम साबित हो रही हैं। दिल्ली से सराय रोहिला जा रही एक महिला का नकदी और जेवरात का हैंडबैग स्टेशन के पास चोरी हो गया।

जीआरपी सराय रोहिला को दर्ज शिकायत में जोधपुर निवासी प्रभाकर ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ सुपरफास्ट से जोधपुर से दिल्ली जा रहा था। रेवाड़ी स्टेशन के पास उसकी पत्नी का हैंड चोरी हो गया। बैग में सोने का मंगलसूत्र, तीन अंगूठी, कान की बालियां और 30 हजार रुपये थे। जीआरपी सराय रोहिला ने जीरो एफआईआर दर्ज करने के बाद रेवाड़ी जीआरपी को भेज दिया। जीआरपी ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। ट्रेनों में चोरी की घटनाएं नियमित अंतराल के बाद हो रही हैं। एक सप्ताह में जीआरपी ने चोरी के सात केस दर्ज किए हैं।

एनडीए की परीक्षा में एसडी विद्यालय के छह विद्यार्थियों ने प्राप्त की सफलता

- समारोह में विद्यालय के चेयरमैन द्वारा किया गया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

कनीना। एनडीए की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करता विद्यालय प्रबंधन।

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा जारी परीक्षा परिणाम में एसडी विद्यालय ककराला के छह विद्यार्थियों द्वारा सफलता प्राप्त करने पर शनिवार को विद्यालय प्रांगण में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के चेयरमैन जगदेव यादव सहित विद्यालय प्रबंधन ने उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। चेयरमैन जगदेव यादव ने बताया कि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, यूपीएससी एनडीए कि परीक्षा बीते माह 13 अप्रैल को आयोजित की गई थी। जिसमें देशभर से विद्यार्थियों ने परीक्षा दी थी। विद्यालय के प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने बताया कि इस परीक्षा में छह विद्यार्थियों कशिश रामबास, जतिन भड़फ, यक्ष करीरा, छवीकान्त करीरा, साहिल फोगाट नयागाँव व गौरव कुमार कनीना ने इस परीक्षा में सफलता हासिल की है। जो क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। ये विद्यार्थी सेवा चयन बोर्ड, एसएसबी द्वारा आयोजित साक्षात्कार में हिस्सा लेगें। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, नियमित प्रयास और सही मार्गदर्शन कर उन्हें तराशा जाए तो बड़ी से बड़ी उपलब्धि आसानी से हासिल की जा सकती है। प्रतियोगिता के इस दौर में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होना आवश्यक है। एनडीए कोर्डिनेटर अविनाश कुमार ने कहा कि विद्यालय प्रबंधन विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की नियमित रूप से करवाते हुए विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करता है। प्रत्येक छात्र को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाती हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय में 12 राज्यों से बच्चे एनडीए की शिक्षा ग्रहण कर रहे है। रजनीश परमार की ओर से एसएसबी कि तैयारी करवायी जा रही है। कर्नल रैंक के अधिकारी प्रत्येक माह में दो बार विद्यालय का दौरा करते है। इस मौके पर उपप्राचार्य पूर्ण सिंह, सीईओ आरएस यादव, सुनिल कुमार, योगेन्द्र कुमार, देवव्रत, राजेंद्र यादव, सुमित, यशपाल, धनराज,संजय कुमार उपस्थित थे।

देवयानी स्कूल में मदर्स-डे धूमधाम से मनाया बच्चों ने मां को समर्पित की कविता और गीत

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। देवयानी स्कूल में मदर्स-डे धूमधाम से मनाया। बच्चों ने अपनी मां को याद करते हुए गीत, डांस, कविता प्रस्तुत की। किड्स कक्षा के बच्चों ने अपनी मां के लिए ग्रीटिंग कार्ड बनाए। स्टार हाउस से परीशा राव, अव्या यादव व खुशी ने अपने ग्रुप के साथ मिलकर पहले तेरी याद फिर राम आवे गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। पांचवी कक्षा से हनी यादव और शानवी चौधरी ने मां बेटे का रोल का नाटक किया। आठवीं कक्षा से जीतांशी राव ने आप ना सज कर देखें, कान के पीछे टीका लावे गीत और डांस प्रस्तुत किया। आठवीं कक्षा से हर्षिका, तनीषा और लक्षिका ने अपने नाटक में मां के महत्व को बताते हुए उसको सम्मान देने की अपील की। इस कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने में अहम भूमिका सांस्कृतिक विंग हेड ममता शर्मा ने निभाई। छात्र दीपांश ने स्टेज संचालन का काम बेखूबी निभाया।

गुरु के पदचिह्नों पर चलें: मंजू

- स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती का अवतार दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। खीर का प्रसाद वितरित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

स्वामी विज्ञानानंद सरस्वती का अवतार दिवस पर बड़ी धूमधाम से मनाया गया। नपा उपप्रधान मंजू कौशिक ने बताया कि महेंद्रगढ़ के लोगों का ये सौभाग्य है कि गुरु पिछले 55 वर्षों से लगातार श्रीमद्भागवत कथा या प्रवचन के द्वारा अपने सभी भक्तों को आशीर्वाद देते आ रहे हैं। गुरु का अवतार दिवस है। उन्होंने कहा कि मनुष्य को गुरु के दिखाए हुए पद चिह्न पर चलकर जीवन प्रकाश में करना चाहिए। गुरु ही मनुष्य को सही दिशा में ले जा सकता है। सच्चा गुरु वही होता है, जो शिष्य को प्रकाश की ओर ले जाए। इस दौरान खीर का प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर ममता गुप्ता, नितिन कुमार, सुनील मेहता, शिवकुमार मेहता, संजीव कुमार, रामानंद शर्मा, बालमुकुंद, दिनेश तिवारी, सचिन कुमार, आनंद, रामावतार शर्मा, वंश व ब्रह्मानंद आदि उपस्थित रहे।

मौजूदा हालात पर विशेष चर्चा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

मंडी अटेली। गुवानी में बैठक करते ग्राम पंचायत सदस्य। फोटो : हरिभूमि

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बीच सिहमा खंड की ग्राम पंचायत गुवानी में बैठक आयोजित कर मौजूदा खतरे को देखते हुए विशेष चर्चा की गई। इस बैठक का नेतृत्व करते हुए सरपंच रीना यादव के पति दिनेश यादव ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से की गई इन नापाक हरकतों का भारतीय सेना ने मुंहतोड़ जवाब दे रही है। भारतीय वायु रक्षा प्रणालियों ने पाकिस्तान के ड्रोन हमलों को समय रहते नष्ट कर दिया है। उन्होंने बताया कि सभी ग्रामवासी अनावश्यक भीड़भाड़ करने तथा अफवाहों पर ध्यान न दे। सभी ग्रामीण रात को निर्धारित समय पर अपनी लाइट बंद कर दें और किसी भी हालात में खुले स्थान पर तेज रोशनी न करें। केंद्र व प्रदेश सरकार के आदेशों की पालना करें। 140 करोड़ की आबादी वाला भारत एकजुट होकर एकसाथ खड़ा है, जिसका नेतृत्व हमारे शानदार सशस्त्र बल कर रहे हैं और जिसकी कमान पीएम नरेंद्र मोदी के हाथों में है। इस बैठक में ग्राम पंचायत के अलावा अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

डॉ संजय को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

कोरियावास की टीम रही मंडल में तृतीय स्थान पर रही

- युवा संसद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट कार्य करने पर डॉ. संजय शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। विजेता को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

संसदीय कार्य मंत्रालय एवम राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद हरियाणा की ओर से युवा संसद प्रतियोगिता 2024 में उल्लेखनीय योगदान के लिए अकबरपुर स्कूल के राजनीति विज्ञान के प्रवक्ता डॉ संजय शर्मा को उत्कृष्टता प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस संदर्भ में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोरियावास के प्राचार्य डॉ सतबीर इंदौरा ने बताया कि शुक्रवार को विद्यालय में आयोजित सम्मान समारोह एवम अहिल्याबाई होल्कर जयंती समारोह में युवा संसद प्रतियोगिता में मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाली कोरियावास स्कूल की टीम और टीम के मेंटर डॉ. संजय शर्मा को सम्मानित किया गया। डॉ शर्मा को प्रशस्ति पत्र, अंग वस्त्रम और सम्मान प्रतीक लगाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक कैप्टन हंसराज उपस्थित रहे। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ सतबीर इन्दौरा ने की। इसके अतिरिक्त विशिष्ठ तौर पर स्टेट अवार्डी प्रवक्ता डॉ जितेन्द्र भारद्वाज, रतिराम उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र प्रवक्ता संजय शर्मा ने किया। उल्लेखनीय है कि युवा संसद प्रतियोगिता 2024 में भारत के भविष्य के लिए बौद्धिकता, वक्तृत्व और दूरदर्शिता का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। मुख्य अतिथि कैप्टन हंसराज ने कहा कि युवाओं को लोकतांत्रिक व्यवस्था की बारीकियों को समझाने का माध्यम है युवा संसद। प्राचार्य डॉ सतबीर इंदौरा ने कहा कि बच्चों के परिश्रम और लगन से ही मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में स्थान पाया है। इसके लिए सभी बच्चे, टीम इंचार्ज और मेंटर का प्रयास सफल रहा। उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए कहा, यह कोरियावास स्कूल के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है। मंडल स्तरीय प्रतियोगिता में स्थान हासिल करना आज के युवाओं की ताकतका प्रतिनिधित्व करता है। उनके शब्द उस पीढ़ी की आवाज़ को प्रतिध्वनित करते हैं जो भारतीय संविधान को कायम रखना चाहते हैं। इसके लिए स्कूल की राजनीति विज्ञान की प्रवक्ता का बहुत बड़ा योगदान है। डॉ जितेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि लोकतंत्र तभी सुरक्षित रह सकता है जब उसके मूल्य अगली पीढ़ी को संचारित किए जाएं। प्रतियोगिताओं में भाग लेने के विद्यार्थियों को तैयार करने, उनके आत्मविश्वास में वृद्धि के लिए डॉ संजय शर्मा का योगदान सराहनीय रहा। कार्यक्रम में नव पदोन्नत प्राचार्य संजय बड़ेसरा, संजय शर्मा ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर डॉ जितेंद्र भारद्वाज, सुरेंद्र यादव, राजेश कुमार, सतपाल सिंह, मोहनलाल, तानाजी, पूनम कुमारी सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

विद्यालय में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन

महेंद्रगढ़। बच्चों की जानकारी लेती अध्यापिका। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। बीआर ज्ञानदीप विद्यालय सुरजनवास में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस दौरान प्राचार्य रामबीर यादव और चेयरमैन रूपराम यादव उपस्थित रहे। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के शैक्षिक विकास और अभिभावकों की सहभागिता को बढ़ावा देना था। सम्मेलन में विभिन्न शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक गतिविधियों पर चर्चा की गई, जिसमें विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति, परीक्षा परिणामों का विश्लेषण तथा भविष्य में सुधार के लिए योजना पर जोर दिया गया। अध्यापकों ने अभिभावकों को उनके बच्चों की शिक्षण शैली, कक्षा में उनकी सक्रियता, और किसी प्रकार की कठिनाइयों की जानकारी दी, जिससे बच्चों के विकास में अभिभावकों का सहयोग लिया जा सके।

खबर संक्षेप

विजय छिलरो बने जजपा के जिला प्रवक्ता

नारनौल। जननायक जनता पार्टी ने जिला में प्रवक्ता की नई जिम्मेवारी विजय छिलरो को सौंपी है। अपनी इस नई जिम्मेदारी के लिए उन्होंने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अजय सिंह चौटाला, पूर्व मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, राष्ट्रीय महासचिव दिग्विजय चौटाला, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा. केसी बांगर, राष्ट्रीय संगठन सचिव राजेंद्र लितानी, प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता दीपकमल सहारण, जिला प्रभारी राकेश जाखड़ व जिला प्रधान राजकुमार खातोद का आभार जताया है।

विजय छिलरो।

बलाहा खुर्द के श्मशाम घाट का दरवाजा चोरी

नारनौल। गांव बलाहा खुर्द के श्मशान घाट के दरवाजे को किसी ने चोरी कर लिया। जब सरपंच ने छानबीन की तो वहां रहने वाले एक नामजद की झुग्गी के पीछे यह मिला। गांव बलाहा खुर्द की सरपंच आशा ने गहली पुलिस चौकी में शिकायत दी है। सरपंच ने बताया है कि आठ मई को पंच पुनित के द्वारा सूचना प्राप्त हुई, गांव के श्मशान घाट के गेट का एक लोहे का दरवाजा, पंच के घर के नजदीक करीब छह फीट नाली की जारी चोरी हुई है। यहचोरी दिन के समय ही हुई है। जब छानबीन की गई तो पता चला कि लोहा गेट राकेश लुहान के झुग्गी के पीछे रखा है। वहां जाकर देखा तो गेट झुग्गी के पीछे था। शक है कि लोहे का गेट व जाली इसी व्यक्ति ने चोरी की है।

15 मई को प्रस्तुत होगा आय-व्यय का ब्यौरा

नारनौल। सैनी सभा का वित्तीय वर्ष 2024-25 का आय-व्यय प्रस्तुत किया जाएगा। इस संबंध में सभा के महासचिव निहाल सिंह सैनी ने बताया कि एक आम बैठक 15 मई की शाम चार बजे सैनी धर्मशाला के सभागार में होगी।

नरसिंह भगवान मंदिर परिसर भंडारा आज

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव बिहाली की चौपाल के समीप नृसिंह भगवान मंदिर परिसर में 11 मई को भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए सरपंच सीताराम यादव ने बताया कि नरसिंह भगवान के मंदिर के प्रति लोगों की काफी आस्था जुड़ी हुई है। हर वर्ष की भांति इस बार भी भण्डारे का आयोजन किया जाएगा, जबकि पूर्व संध्या पर बलराम बैंसला एंड पार्टी भगवान की महिमा का गुणगान करेगी।

नारनौल। सुरक्षा संबंधित जानकारी देती निरीक्षक शारदा।

महिलाओं को दी सुरक्षा संबंधी जानकारी

नारनौल। पुलिस की ओर से नांगल सिरोही और फायरिंग रेंज रघुनाथपुरा पर जागरूकता अभियान चलाया गया। यहां पर महिलाओं को महिला सुरक्षा संबंधी अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया और महिला विरुद्ध अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान निरीक्षक शारदा व उनकी टीम द्वारा महिलाओं को उनके अधिकारों के संबंध में जागरूक करने व उनके साथ घटित होने वाले अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करते हुए उनमें सुरक्षा, आत्मविश्वास की भावना जागृत करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाया। निरीक्षक शारदा ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न हेल्प लाइन नंबरों व नियमों, महिलाओं के विरुद्ध घटित होने वाले अन्य अपराधों पर कानूनी कार्रवाई के संबंध में जानकारी दी। टीम ने बताया कि महिलाएं डायल 112 पर फोन कर ट्रिप मॉनिटरिंग की सुविधा ले सकती हैं। अकेले में सफर करने वाली छात्राएं/महिलाएं डायल 112 पर हरियाणा पुलिस द्वारा शुरू की हुई सेवा का लाभ उठा सकती हैं और अपने सफ़र को सुरक्षित बना सकती हैं।

सरकारी सरल पोर्टल बना जटिल पहेली, योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे नवजात, जिम्मेदार मौन!

प्राइवेट अस्पतालों में जन्मे नौनिहालों का भविष्य अधर में, जन्म प्रमाण पत्र के लिए दर-दर भटक रहे परिजन

- शिशु की डिलीवरी के समय ही पंजीकरण स्लिप देना अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

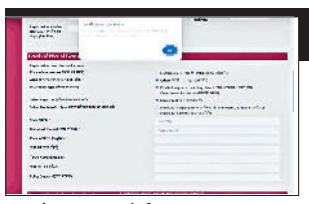
नारनौल। सरल पोर्टल पर जन्म प्रमाण पत्र का आवेदन करते समय तकनीकी खामी। फोटो : हरिभूमि

जन्म प्रमाण पत्र के अभाव में नहीं बन पा रहे आधार

इस गंभीर समस्या के कारण नवजात शिशु अपने मौलिक अधिकारों से वंचित हो रहे है। जन्म प्रमाण पत्र के अभाव में न तो उनका आधार कार्ड बन पा रहा है, न ही उन्हें सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल पा रहा है। इतना ही नहीं, परिवार आईडी में भी इन बच्चों का नाम दर्ज नहीं हो पा रहा है जिससे भविष्य में उन्हें अनेक सरकारी सुविधाओं से महरूम रहना पड़ सकता है।

जहां एक ओर सरकार अपनी सभी योजनाओं को सरल पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन कर डिजिटल इंडिया का ढिंढोरा पीट रही है वहीं दूसरी ओर इसी तथाकथित सरल पोर्टल की तकनीकी खामियों के चलते प्राइवेट अस्पतालों में जन्मे नवजात बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पा रहे है।

आलम यह है कि पिछले एक सप्ताह से शहर के निजी अस्पतालों में जन्मे बच्चों के परिजन अपने नौनिहालों के पहले अधिकार जन्म प्रमाण पत्र के लिए सरकारी दफ्तरों और ऑनलाइन पोर्टलों के बीच ठोकरें खाने को मजबूर है। यह स्थिति न केवल सरकारी दावों की पोल खोल रही है बल्कि आम जनता के लिए भारी परेशानी और आर्थिक बोझ का सबब भी बन गई है। मिली जानकारी के अनुसार जब कोई अभिभावक अपने बच्चे के जन्म प्रमाण पत्र के लिए सरल पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने की कोशिश करता है तो निजी अस्पताल का चयन करते ही लोकेशन मैप गायब हो जाता है या प्रदर्शित ही नहीं होता।

इस तकनीकी अड़चन के कारण आवेदन प्रक्रिया अधूरी रह जाती है और सबमिट नहीं हो पाती। विडंबना देखिए कि सरकारी अस्पतालों में जन्मे बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र के आवेदन इसी पोर्टल के माध्यम से सफलतापूर्वक दर्ज हो रहे हैं जो सीधे तौर पर व्यवस्था में मौजूद खामी और निजी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों के प्रति उदासीनता को उजागर करता है।

अभिभावकों को नहीं मिल रही रजिस्ट्रेशन की स्लिप

मामले की गंभीरता यहीं समाप्त नहीं होती। अधिकतर मामलों में यह भी सामने आया है कि प्राइवेट और सरकारी अस्पताल डिलीवरी के समय जन्म रजिस्ट्रेशन की स्लिप भी अभिभावकों को उपलब्ध नहीं करा रहे है। यह सरकारी नियमों का खुला उल्लंघन है जिसके अनुसार डिलीवरी के समय ही पंजीकरण स्लिप देना अनिवार्य है। रजिस्ट्रेशन स्लिप न होने के कारण अभिभावकों की मुश्किलें और खर्च दोनों बढ़ जाते है। पहले उन्हें बिना नाम के जन्म प्रमाण पत्र के लिए अर्जी लगानी पड़ती है जिसके लिए उन्हें शुल्क अदा करना होता है। इसके बाद बच्चे का नाम दर्ज करवाने के लिए शपथ पत्र या कोर्ट के एफिडेविट के साथ दोबारा आवेदन करना पड़ता है और इस प्रक्रिया में भी उन्हें दोबारा फीस भरनी पड़ती है। इस तरह सरकारी तंत्र की नाकामी और अस्पतालों की लापरवाही का खामियाजा आम आदमी को दोहरी आर्थिक मार झेलकर उठाना पड़ रहा है। एक तरफ सरकार सबका साथ, सबका विकास और ईज ऑफ लिविंग के नारे बुलंद करती है वहीं दूसरी तरफ नवजात बच्चों को उनके जन्म का पहला प्रमाण पत्र बनवाने के लिए उनके अभिभावकों को इस कदर परेशान होना पड़ रहा है। यह स्थिति न केवल सरकारी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है बल्कि यह भी दर्शाती है कि कैसे जमीनी हकीकत सरकारी दावों से कोसों दूर है। कब तक आम नागरिक यूं ही सरकारी पोर्टलों की पहेलियों में उलझकर अपने अधिकारों के लिए भटकता रहेगा? कब तक जिम्मेदार अधिकारी अपनी आंखें मूंदे रहेंगे? यह सवाल आज हर उस अभिभावक के मन में है जो अपने नवजात शिशु के भविष्य को लेकर चिंतित है।

31 अगस्त 2024 के पहले के डिफाल्टर उपभोक्ता ले सकते हैं योजना का लाभ

बिजली निगम ने डिफाल्टरों के लिए फिर शुरू की बिल माफी योजना

एकमुश्त बिल जमा कराने पर होगा शत प्रतिशत सरचार्ज एवं 10 प्रतिशत मूल बिल माफ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

सभी प्रकार के उपभोक्ता ले सकते हैं भाग

यह योजना सभी प्रकार के उपभोक्ताओं के लिए है। घरेलू उपभोक्ता, जिनके बिल 200 यूनिट से कम हैं, विशेष लाभ ले सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग, छोटे दुकानदार, और किसान भी पात्र हैं, लेकिन, 1000 वॉट से ज्यादा बिजली खपत वाले उपभोक्ता, जैसे बड़े एसी और हीटर का उपयोग करने वाले इस योजना से बाहर हैं। योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ता का बिजली कनेक्शन हरियाणा में होना चाहिए।

समय सीमा और शर्तें

यह योजना हरियाणा सरकार द्वारा 6 मई 2025 से शुरू कर दी गई है। अंतिम तारीख 31 अक्टूबर 2025 है। उपभोक्ताओं को इस दौरान बकाया बिल जमा करना होगा। अगर आप एकमुश्त भुगतान करते हैं, तो ज्यादा छूट मिलेगी। किश्तों में भुगतान के लिए कम से कम तीन किस्तें अनिवार्य हैं। बिल जमा करने के बाद उपभोक्ता को छूट का प्रमाण पत्र मिलेगा। यह प्रमाण पत्र भविष्य में बिजली विभाग के रिकॉर्ड के लिए जरूरी है।

बिजली उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। प्रदेश सरकार ने बिजली बिल बकायेदारों को राहत देने के लिए फिर से नई सरचार्ज माफी योजना शुरू की है। योजना का नाम 'सरचार्ज वेव स्कीम 2025' है। इसके तहत बकाया बिजली बिल पर 10 प्रतिशत छूट और 100 प्रतिशत सरचार्ज माफी मिलेगी।

यह योजना 6 महीने तक चलेगी। बता दें कि प्रदेश में बकाया बिजली बिल का बोझ 8000 करोड़ रुपये से ज्यादा है। कई उपभोक्ता आर्थिक तंगी के कारण बिल नहीं चुका पाते हैं। इससे बिजली निगम को नुकसान हो रहा है। सरकार ने इस योजना के जरिए उपभोक्ताओं को राहत देने का फैसला किया। साथ ही, बिजली विभाग की वित्तीय स्थिति को सुधारने का लक्ष्य है। यह योजना घरेलू, औद्योगिक, और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं के लिए है।

- आप एकमुश्त भुगतान करते हैं, तो ज्यादा छूट मिलेगी
- किश्तों में भुगतान के लिए कम से कम तीन किस्तें अनिवार्य हैं

एसई जोगेंद्र सिंह हुड्डा।

जरूरी दस्तावेज की फोटो कॉपी को जमा करवाना होगा

प्रदेश सरकार द्वारा चलाई गई बिजली बिल सरचार्ज माफी योजना के तहत आवेदन करने के लिए उपभोक्ता को अपने नजदीकी बिजली बोर्ड निगम में जाना होगा और इस योजना से जुड़ी पूरी जानकारी को हासिल करना होगा। जो उम्मीदवारी योजना के लिए पात्र है, उसे बिजली निगम से आवेदन पत्र दिया जाएगा, जिसे उपभोक्ता को ध्यानपूर्वक पढ़कर भरना होगा और मांगे गए जरूरी दस्तावेज की फोटो कॉपी को जमा करवाना होगा।

–जोगेंद्र सिंह हुड्डा, एसई, बिजली निगम, नारनौल सर्कल।

कनीना। पानी निकासी की मांग को लेकर धरना देते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

गंदे पानी की निकासी को लेकर ग्रामीणों ने शुरू किया धरना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

कनीना विकास खंड के गांव कोटिया गंदे पानी की निकासी की मांग को लेकर ग्रामीणों ने शनिवार से धरना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के बीचोंबीच जोहड़ बना हुआ है जिसमें निकासी का पानी जमा होता है।

बरसात के दौरान जोहड़ ओवरफ्लो हो जाता है जिसका पानी घरों में घुस जाता है। जोहड़ की सफाई न होने से गंदगी पनप रही है। जिससे संक्रमित बीमारियां पनपने का अंदेशा है। इस जोहड़ में बीते समय दो-तीन लोगों की डूबने से मौत भी हो चुकी है।

पहले भी दे चुके धरना

पूर्व पंचायत समिति सदस्य पवन कुमार ने बताया कि जोहड़ से गंदे पानी की निकासी की मांग को लेकर वर्षभर पूर्व भी धरना दिया गया था। जिसे अधिकारियों के आश्वासन के बाद समाप्त किया गया था। ग्रामीणों का कहना है कि जोहड़ की चारदीवारी न होने के कारण ग्रामीण हादसे का शिकार हो रहे हैं। उन्होंने उपमंडल प्रशासन से समस्या निदान की मांग की है।

नारनौल। कोरियावास में मेडिकल कॉलेज गेट पर धरना देते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

मेडिकल कॉलेज का नाम राव तुलाराम रखने की मांग को लेकर धरना जारी

- धरना दे रहे ग्रामीणों ने कहा-पिछले तीन सालों से नामकरण की मांग की जा रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

मेडिकल कॉलेज कोरियावास का नाम राजा राव तुलाराम के नाम से रखे जाने की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना-प्रदर्शन शनिवार को भी जारी रहो। ग्रामीण मेडिकल कॉलेज के गेट पर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। धरने में सरपंच प्रतिनिधि नौनिहाल सिंह यादव, बाबूलाल पंच, होशियार सिंह एचपी, रामसिंह जीपी, राजेश कुमार, अमर सिंह पहलवान, सूरत सिंह, सुबेसिंह नंबरदार, सुबेसिंह, भगवानाराम, पवन गोद, सुनील कुमार, लीलाराम, प्रकाश, प्रताप एवं लालचंद आदि भाग ले रहे हैं। नौनिहाल सिंह यादव ने कहा कि सरकार को मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए मुफ्त में जमीन हमने दी तो कॉलेज का नाम भी हमारी मांग के अनुसार ही रखा जाना चाहिए था।

पिछले तीन सालों से नामकरण की मांग की जा रही है। जब प्रदेश के सीएम मनोहरलाल खट्टर थे, तब भी हमने मेडिकल कॉलेज का नाम राव तुलाराम के नाम से रखने की मांग की थी। बाद में हमने नए सीएम नायब सिंह सैनी को भी ज्ञापन प्रेषित किए, लेकिन हमारी मांग नहीं मानी गई। इसी के विरोध में ग्रामीणों ने यह अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है, जिसमें केवल कोरियावास के ग्रामीण ही नहीं, आसपास के राव तुलाराम नाम के समर्थक भी भाग ले रहे हैं। जब भिवानी में चौधरी बंसीलाल, रोहतक में बीडी शर्मा, सिरसा में चौधरी देवीलाल आदि के नामों से विश्वविद्यालय के नाम से उच्च शिक्षण संस्थाएं चल रही हैं तो राव तुलाराम के नाम से क्यों नहीं चल सकती। सबको मालूम है कि जब सन 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम हुआ, तब सबसे पहले नसीबपुर के मैदान में राजा राव तुलाराम के नेतृत्व में ही युद्ध लड़ा गया था और पांच हजार सैनिकों ने अपनी शहादत देकर अंग्रेजों से लोहा लिया था। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है। इसलिए हमारी मांग है कि मेडिकल कॉलेज का नाम राव तुलाराम के नाम से रखा जाए।

दुलोठ जाट की पूर्व सरपंच को डीसी ने जारी किए 1164098 राशि की रिकवरी के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

- 2016 से 2021 में हुए विकास कार्यों में अनियमितता को लेकर उपायुक्त की कार्रवाई

क्षेत्र के गांव दुलोठ जाट की पूर्व सरपंच अंजू बाला पर उसके कार्यकाल में 2016 से 2021 में हुए विकास कार्यों में अनियमितता को लेकर उपायुक्त ने 11,64,098 राशि की के रिकवरी के आदेश जारी किए हैं। इसकी शिकायत गांव के महेश कुमार ने पहले आरटीआई के माध्यम से सरपंच के कार्यकाल का पूरा रिकॉर्ड लेने के बाद जांच के लिए मुख्यमंत्री समेत उपायुक्त को हाजिर होकर प्रेषित किए थे। उपायुक्त की ओर से जारी आदेश पर उपमंडल अधिकारी नारनौल द्वारा 11 सितंबर 2024 को हरियाणा पंचायती राज एक्ट 1994 की धारा 53(2) में दिए गए आदेशों में जांच में निकाली गई राशि 11,64,098 की वसूली बारे नोटिस जारी किया गया था, जिसके विरुद्ध पूर्व सरपंच ने हरियाणा पंचायती राज एक्ट 1994 की धारा 53 (3) के अन्तर्गत अपील दायर की थी। सहायक जिला न्यायवादी रफीक खान ने बताया कि जिस पर उपायुक्त ने अपील को 22 अप्रैल को खारिज कर उपमंडल अधिकारी को पूर्व सरपंच द्वारा अनियमितताओं को लेकर 11,64,098 राशि की रिकवरी के आदेश जारी कर दिए।

गांव के महेश कुमार ने आरोप लगाया था कि गांव की पूर्व सरपंच अंजू बाला ने अपने 2016 से 2021 के कार्यकाल में अनेक सामान व दूसरे विकास कार्यों की राशि निकलवाती रही, लेकिन धरातल पर पैसे का उपयोग नहीं हुआ। मौके पर नहीं मिलने वाले कार्यों में जैसे दो जिम सेट, स्वागत गेट, पानी के टैंकर व लोहे की जालियां सहित अनेक विकास कार्य शामिल हैं।

कनीना में आज भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनेगा

- खेलकूद मंत्री गौरव गौतम होंगे मुख्यातिथि

कनीना। श्रीगौड़ ब्राह्मण सभा कनीना की ओर से 11 मई रविवार को गाहडा रोड स्थित समारोह स्थल में भगवान परशुराम जन्मोत्व मनाया जाएगा। इस समारोह की अध्यक्षता प्रदेश के पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो रामबिलास शर्मा करेगें, जबकि मुख्यातिथि खेल एवं युवा सशक्तिकरण मंत्री गौरव गोतम होंगें। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में गुरूग्राम के विधायक मुकेश शर्मा व जितेंद्र भारद्वाज गुरूग्राम उपस्थित होंगें। सभा के प्रधान डा. रविंद्र कौशिक ने बताया कि समारोह में प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। समारोह में महंत लक्ष्मणगिरी गौशाला बूचावास के संचालक महाराज विट्ठलगिरी सहित विशिष्ट अतिथि के रूप में गौड़ सभा नारनौल के प्रधान राकेश महता, प्रख्यात कवि डा. मोहनमनीषी, अश्वनी शर्मा, विनित शर्मा, डॉ मनीष शर्मा, अमित मिश्रा, मोहन शर्मा उपस्थित रहेगें। समारोह की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से क्षेत्रवासियों को मिलेगी राहत

प्रदेश सरकार रोड नेटवर्क को कर रही मजबूत : आरती सिंह राव

अटेली विधानसभा को मिली 27 करोड़ रुपये की सौगात, रोड नेटवर्क होंगे और मजबूत

- इससे न केवल यातायात की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा
- यह अटेली क्षेत्र की आधारभूत संरचना को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

हरियाणा सरकार की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से अटेली विधानसभा क्षेत्र को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए लगभग 2712.2 लाख (27.12 करोड़) की लागत से 27 सड़कों के निर्माण व सुदृढ़ीकरण की स्वीकृति प्रदान की गई है।

यह अटेली क्षेत्र की आधारभूत संरचना को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे क्षेत्रीय विकास, आवागमन की सुगमता और सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों को नया आयाम मिलेगा। अटेली हलके के लिए लगभग 27 करोड़ रुपए सड़कों के मजबूत और मरम्मत करने के लिए जारी किए गए हैं। इस संबंध में स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि सरकार लगातार ढांचागत सुविधाएं बढ़ाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सड़कों की गुणवत्ता में सुधार करने से न केवल यातायात की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि अटेली हलके में सड़क विकास परियोजनाओं के पूरा होने से क्षेत्र के निवासियों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी। इससे न केवल यातायात की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार क्षेत्र के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और लगातार ढांचागत सुविधाएं बढ़ाने के लिए काम कर रही है। राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं जो क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।

यह सड़क होगी चकाचक, अब आमजन का सफर होगा और आसान

नारनौल-रेवाड़ी सड़क से खेड़ी तक 362.38 लाख, महासर गांव में सड़क (स्कूल मंदिर से लिंक) रोड़ 7.32 लाख, कनीना महेंद्रगढ़ से बाघोत सड़क 668.71 लाख, चिड़िया कनीना से गांव बाघोत तक लिंक शिव मंदिर रोड़ 52.4 लाख, कनीना अटेली से रामबास सड़क 156.49 लाख, एफएसके मुंडायन के लिए सड़क 43.52 लाख, चिड़िया कनीना रोड से बास जाने वाला मार्ग 47.41 लाख, बवाना से भोजावास वाया सुंदरह सड़क 362.07 लाख, खरखड़ावास से स्कूल सड़क 38.77 लाख, करीरा गांव में (शमशान घाट से लिंक) सड़क 106.85 लाख, जेएनएस मुख्य सड़क से करीरा के लिए (जवाहर नवोदय स्कूल से लिंक) सड़क 112.38 लाख, स्याणा से दुधवा सीमा तक सड़क 79.91 लाख, खेड़ी से बाघोत रोड 107.07 लाख, सीहोर से बाघोत रोड 159.03 लाख, स्याना से दातौली सीमा तक 64.94 लाख, बोचड़िया से महासर रोड 12.75 लाख, अटेली कनीना से कारिया जाने वाला मार्ग 4.4 लाख, एफएसके ढाणी अटाली का रास्ता 61.82 लाख, करीरा से हरिजन चौपाल स्कूल के साथ लिंक रोड 16.23 लाख, एफएसके रोड से कोका 33.96 लाख, नारनौल-रेवाड़ी रोड से उनिंदा 8.6 लाख, नारनौल-रेवाड़ी रोड से धनौंदा तक 7.42 लाख, एमकेएलएन रोड से गुढ़ा 54.38 लाख, रसूलपुर से रसूलपुर की ढाणी रोड (बचिन) 23.5 लाख, गणियार से विजय नगर राजस्थान सीमा तक 12.27 लाख, खरकड़ा बास से खरकड़ा 13.81 लाख व गुढ़ा से गुढ़ा की ढाणी (नांगल हरनाथ) तक 23.8 लाख रुपये की लागत से सड़कों की मरमत की जाएगी।

मातृ दिवस विशेष

मां के चरणों में बसती है मेरी दुनिया

इस दुनिया के हर रिश्ते में सबसे बड़ा दर्जा मां को दिया जाता है। मां और उसकी संतान का रिश्ता सबसे गहन और अनूठा होता है। हर हाल में अपनी संतान का सुख, उसका हित और उसकी खुशी की कामना करने वाली मां की छवि की उदात्तता असीम होती है। आज मातृ दिवस पर हम संकल्प करें कि मां को कभी कोई तकलीफ न हो, उसका साया, उसका आशीर्वाद हम पर सदैव बना रहे। यही इस दिवस की सार्थकता होगी।

आवरण कथा

डॉ. ओम निश्चल

जब कभी गीतकार प्रसून जोशी के लिखे और शंकर महादेवन के गाए मां को समर्पित गीत '...तुझे सब है पता, मेरी मां..' के बोल सुनाई पड़ते हैं तो हृदय भावनाओं से भर उठता है। जेहन में मां की तस्वीर उभर आती है। बच्चे का यह कहना, 'यूं तो मैं दिखलाता नहीं, तेरी परवाह करता हूं मैं मां...' सुन कर मन की आंखों को जैसे एक अजीब सी तृप्ति मिलती है। मां का संबंध ही कुछ ऐसा है। यह ऐसी शै है कि सारे वृक्षों से कागज तैयार किया जाए तो भी उस पर लिखी मां की महिमा कम पड़ जाएगी। जाने-माने कवि कैलाश वाजपेयी ने लिखा है, *अगर तुम्हें गर्भ में यह पता चलता/ जिस घर में तुम होने वाले हो, नमाज नहीं पढ़ता, वहां कोई यज्ञ होम कीर्तन नहीं होता/ कोई नहीं जाता रविवार को गिरिजाघर या ग्रंथपाठ में/ अगर तुम्हें यह पता चलता पेट के निदाघ और पर्व के हिसाब से अधेड़ बाप कभी बनाता है रंगीन कागज के ताजिए/ ईसा का तारा, कभी दुर्गा गणेश कभी अंधी ऊंचाई को थाहते सिर्फ आकाशदीप/ नीले हरे जोगिया/ अगर तुम्हें यह पता चलता/ तब तुम क्या करते/ क्या मां बदलते। (सूफीनामा)* कितने दार्शनिक अंदाज में कवि ने कह दिया कि मां से बच्चे का रिश्ता कितना अटूट है कि वह किसी भी हालत में बदला नहीं जा सकता।

मां की महिमा अवर्णनीय

दुनिया में यों तो रिश्ते-नातों की बड़ी लंबी परंपरा है। देखें तो हर इंसान एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है, भावनाओं के स्तर पर, सामाजिक स्तर पर, सांस्कृतिक स्तर पर, भौगोलिक स्तर पर लेकिन जो खून के रिश्ते हैं, उनमें सबसे ज्यादा अहमियत मां को प्राप्त है। शास्त्रों में पृथ्वी को मां और आकाश को पिता कहा गया है। कभी रवींद्रनाथ ठाकुर ने यह कहा था कि *भगवान अभी बच्चों को धरती पर भेज रहा है, इसका अर्थ यह है कि अभी*

वह मानव जाति से निराश नहीं हुआ है और मानव जाति को जिस इकाई ने अपनी ममता, दया, करुणा और मोहब्बत से सबसे ज्यादा सींचा है, उसका नाम मां है। देवताओं से लेकर संतों, महापुरुषों ने मां की महिमा बखान की है। मां के ऋण से एक बच्चा पूरे जीवन भर उऋण नहीं हो पाता। मां की इसी महिमा को स्मरण करने के लिए हर साल मई माह का दूसरा रविवार मातृ दिवस के रूप में मनाया जाता है। बच्चे अपनी मां के प्रति अपने लगाव, स्नेहिल प्रेम का इजहार करते हैं।

निःस्वार्थ होती है मां की ममता

शास्त्र कहते हैं, *माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः।* यानी, मां पृथ्वी है और हम सब उसके पुत्र हैं। एक पृथ्वी के रूप में मां जो दुख-दर्द सहती है, वह शायद और कोई दूसरा नहीं समझ सकता। शायर मुनव्वर राना अपनी एक गजल में कहते हैं, *बुलंदियों का बड़ा से बड़ा निशान छुआ, मां ने जो गोदी में उठाया तो आसमान छुआ।* इसका अर्थ यह है कि इंसान की उपलब्धियों और तरक्की के पीछे मां की दुआएं ही होती हैं। रिश्तों में यह मां ही है, जो अपनी संतानों के प्रति अपने दायित्व को नहीं भूलती। खुद रूखा-सूखा खाकर भी बच्चों की बेहतर परवरिश के लिए पूरा जीवन होम कर देती है, बिना किसी प्रत्याशा के कि यह बच्चा आगे चल कर उसके बुढ़ापे की लाठी बनेगा भी या नहीं। उसकी ममता निःस्वार्थ होती है। अकसर देखा जाता है कि मांएं अपने कमजोर बच्चों के प्रति अपेक्षाकृत अधिक दयावान होती हैं। यह तो उस बच्चे के प्रति न्याय है कि जो किसी कारणवश तरक्की की दौड़ में कहीं पीछे रह गया है, उसे मां

विशेष तरजीह दे, सहारा दे, उसे संभलने में मदद करे। इस पर मुनव्वर राना ने तो एक गजल में यह तक कहा है, *मां अगर पागल भी है तो उसे गौर से देखिए अपने बच्चों के प्रति मोह-ममता नहीं छोड़ती। यह चीज उसे पागलपन में भी नहीं भूलती। खुदा ने यह सिफत दुनिया की हर औरत को बख्शी है/ कि वो पागल भी हो जाए तो बच्चे याद रहते हैं।*

मां में समायी होती है संतान की पूरी दुनिया

यह सही है कि आज रिश्ते-नातों से जुड़े हर संबंध को पैसों की तुला पर तौला जाता है। अगर मां के पास बच्चों को कुछ ठोस देने के लिए है तो उसके लिए इज्जत है। लेकिन अगर वह वृद्धावस्था में है या जीवन में अकेली पड़ गई है तो बहुत कम बच्चे ऐसे हैं, जो मां का सहारा बनते हैं या मां को अपने घर में आदर से रखते हैं और उसकी मोह ममता के प्रति सदैव कृतज्ञ बने रहते हैं। यह कृतज्ञता उनके लिए एक दिन का दिखावा नहीं होता, बल्कि यह उनके दैनंदिन संस्कार में शामिल रहती है। ऐसे भी बच्चे हैं, जो मां की हर पल की अनुपस्थिति को याद करते हुए जीते हैं। कवि यश मालवीय के शब्दों में, *किस तरह कैसे न पूछो। जी रहा बेटा सलोना। मां तुम्हारा नहीं होना।*

मां को देते रहें प्यार-सम्मान

मां की ममता, दया, करुणा, हृदय की विशालता की बहुत चर्चा होती है। वह होती है तो घर का दूसरा पर्याय होती है। वह नहीं होती तो उसकी कमी खलती रहती है। वह होकर भी और न होकर भी हमारे भीतर होती है। लेकिन क्या हम जीते जी मां को पहचान पाते हैं? उसके सुख-दुख से वास्ता रख पाते हैं? ऐसा सर्वथा नहीं होता। दुनिया इतनी स्वार्थी हो चुकी है कि कभी बूढ़ी स्त्री को किसी तीर्थ किसी अजाने स्टेशन पर छोड़ कर अपने दायित्व से मुक्ति पा लेती है। सच, कितनी बहुरंगी दुनिया हो चुकी है कि हर दिन को किसी न किसी के लिए मुकर्रर कर रखा है। जैसे कि उस एक दिन के अलावा उसकी कोई अहमियत ही न हो। मां के लिए भी एक दिन मुकर्रर है। पर मां तो हर दिन मां है, वह है भी तो, नहीं भी है तो भी। जरूरत है मां को प्यार दिया जाए। उसे सम्मान दिया जाए। इसलिए मां जब तक हमारे बीच हैं, उस ममतामयी मूर्ति का ध्यान रखें। आज मातृ दिवस पर आइए मां को स्मरण करें। उनके साथ समय बिताएं। उनसे बचपन के किस्से व कहानियां सुनें और उसे जताएं कि मां हम आज भी तुम्हें कितना स्नेह करते हैं, कितना आदर करते हैं। *

कुछ मांएं क्यों रह जाती हैं उपेक्षित

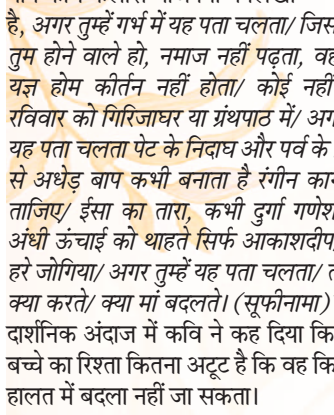

मां की महिमा का कितना गुणगान किया जाता है, फिर भी जैसे-जैसे समाज पूंजीपरस्त होता जा रहा है, दुनिया में धन-दौलत का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही हमारे दिलों की दुनिया संकीर्ण होती जा रही है। एक जमाना था, मांएं अपने छह-सात बच्चों को एक साथ पाल-पोस कर बड़ा करती थीं और उन्हें शिक्षा-दीक्षा दिलाते हुए जीवन की सच्ची राह दिखाती थीं। लेकिन आज की उत्तरोत्तर छोटी होती दुनिया और एकल होते परिवारों में उसकी जगह नहीं है या उसकी जगह कम पड़ती जा रही है। आज स्थिति यह है एक मां के साथ उसके छह-सात बच्चे एक साथ रह सकते हैं लेकिन किसी एक बच्चे के परिवार के साथ मां-पिता का रहना मुश्किल हो जाता है। इसलिए आज जो स्थिति है, उसमें मांएं निरंतर अकेली हो रही हैं। हाल के वर्षों में एकल मांओं की संख्या बढ़ी है। पति-पत्नी के बीच खट्टे होते संबंधों के इस दौर में कितनी मांए अपने बच्चों के साथ अकेले रहने को विवश हैं। ऐसे संकीर्ण वातावरण में मातृ दिवस हर साल मां के महत्व को याद दिलाने के लिए आता है और सोशल मीडिया मां की ममता और मां के सम्मान की पोस्टों से भर जाते हैं। ऐसे लगता है मां के प्रति इस समाज में कितना प्यार और कृतज्ञता है। ऐसी स्थिति में हर साल मातृ दिवस आकर फिर हमें एक बार झकझोरता है कि क्या मां के प्रति प्रेम हमारे भीतर बचा हुआ है, हम स्वतः मां के प्रति अपने दायित्व से जुड़े हैं या हम समाज के रवायत के रूप में उसके प्रति मोहब्बत और आदर का दिखावा मात्र कर रहे हैं?

जुड़ाव

डॉ. अनिता राठौर

यह सही है कि जीवन के अधिकांश काम करने में सक्षम डिजिटल वर्ल्ड के इस दौर में दुनिया भर में किसी को हम अपना दोस्त बना सकते हैं, नया रिश्ता जोड़ सकते हैं। लेकिन मां-बच्चे का रिश्ता और आपसी जुड़ाव इससे परे होता है। ऐसा होने की क्या वजहें हैं...

मां-बच्चे का रिश्ता सबसे गहन-सबसे अनूठा

आज के दौर में डिजिटल दुनिया हमारी लगभग हर समस्या का तुरंत एक रेडीमेड विकल्प मुहैय्या कराती है। यह दोस्ती के लिए सोशल नेटवर्क देती है। जानकारी पाने के लिए गूगल उपलब्ध कराती है। मनोरंजन के लिए यू-ट्यूब है। इसके पास हमारी हर तरह की भावना के लिए, हर तरह की जरूरत के लिए कोई न कोई विकल्प होता है। लेकिन इसके पास मां का कोई विकल्प नहीं है।

अद्वितीय होती है मां: मां का रिश्ता किसी लैंग्वेज बाइनरी से नहीं, किसी पिक्सल या डिजिट से नहीं, सीधे-सीधे दिल से जुड़ा होता है। मां हमें बिना शर्त प्यार करती है, जबकि सोशल मीडिया का सारा संतुलन, इसका सारा गणित लाइक और फॉलो जैसी शर्तों पर टिका होता है। मां शायद दुनिया में अकेली ऐसी शख्स होती है, जो अपने बच्चों के हर तरह के कष्टों को, हर तरह की तकलीफ को बिना उनके एक शब्द बताए जान लेती है। सोशल मीडिया तो हमारा तब नोटिस लेता है या नोटिस करता है, जब हम पोस्ट डालते हैं। जबकि मां हमें हमेशा लाइक करती है, हर हाल में प्यार करती है, अपनी हर सांस में हमारे लिए दुआएं करती है। मां हमें कभी एडिटेड वर्जन में नहीं चाहती या समझती। हम जैसे हैं, वैसे ही मां के सबसे प्यारे, सबसे लाडले होते हैं। इसीलिए मां का डिजिटल डिस्कोर्स में कोई विकल्प नहीं है।

हर तर्क से परे रिश्ता: मां का रिश्ता समय, ट्रेंड या टूल्स से परे होता है। मां का वो रिश्ता, जो महसूस किया जाता है, उसे किसी भी दुनियावी कैटेगिरी में नहीं डाल सकते। सोशल मीडिया पर लोग इसीलिए कभी मां के जैसे रिश्ते नहीं तलाशते, क्योंकि मां का रिश्ता किसी विश्वास भर से नहीं होता। मां का रिश्ता कुदरती होता है। कभी किसी को यह एहसास भी नहीं होता कि मां की किसी बात पर अविश्वास भी किया जा सकता है। मां का रिश्ता एक समर्पण है, उसमें किसी तरह का समीकरण तलाशना या किसी किस्म का तर्क तलाशना, उसे बहुत छोटा करना है। मां का रिश्ता हर तरह के तर्क से ऊपर होता है, यह समर्पण में पलता है और त्याग से फलता है। जबकि सोशल मीडिया पर हम अकसर दिखावा, मनोरंजन या महज त्वरित जुड़ाव चाहते हैं। जबकि मां के रिश्ते में स्वतः धैर्य, गहराई और निःस्वार्थतता होती है, जो कभी किसी क्लिक या पोस्ट से नहीं मिल सकता। इसलिए कहते हैं, मां वो प्यार की किताब है, जिसे पढ़ने के लिए इंटरनेट नहीं धड़कता हुआ दिल चाहिए।

जैविक जुड़ाव से आती है गहनता: मां के रिश्ते की बायोलॉजी को अगर समझें तो स्पष्ट होगा कि आखिर वह दुनिया के बाकी सभी रिश्तों से इतनी भिन्न क्यों होती है? मां का रिश्ता इसीलिए सबसे अलग होता है, क्योंकि इसके पीछे की बायोलॉजी कुछ और ही है। दरअसल, मां और उसके बच्चों के बीच जिस तरह का अटूट भावनात्मक रिश्ता होता है, वह किसी परवरिश, किसी समझदारी या ज्ञान से नहीं आता। ऐसे रिश्ते की अपनी एक जैविकता या बायोलॉजी होती है। अगर इस रिश्ते के सबसे मजबूत और सबसे भिन्न पहलू को जानें तो वो होता है, मां और उसके बच्चे के बीच मौजूद गर्भनाल का रिश्ता। मां और शिशु एक अंबिलिकल कॉर्ड से आपस में जुड़े हाते हैं, इसी कॉर्ड या नली के जरिए नौ महीने तक मां के पेट में पल रहा बच्चा, मां के खून से, मां की सांसों, मां के खाए गए खाने से, मां की खुशियों से, मां की परेशानियों से बनता है। शिशु के अंदर जो भी कुछ होता है, नौ महीने तक वह सिर्फ और सिर्फ मां का होता है। उसमें दुनिया की, कुदरत की कोई भी अलग से हिस्सेदारी नहीं होती। मां के खून से ही शिशु को ऑक्सीजन मिलती है, शिशु को पोषण मिलता है। इसलिए मां और उसके बच्चे के बीच के रिश्ते को दुनिया के किसी भी रिश्ते से साझा नहीं किया जा सकता। किसी भी रिश्ते से इस रिश्ते की तुलना नहीं हो सकती। क्योंकि यह कोई रिश्ता है ही नहीं, यह एक जिस्म के दो हिस्से हैं। यह साझी धड़कनों का रिश्ता है। यह ऐसा रिश्ता है, जिसको एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। गर्भावस्था में मां के शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन ज्यादा बनता है। यही हार्मोन लगाव और प्रेम पैदा करता है। इसी से मां और उसकी संतान के बीच ताउम्र एक गहरा जुड़ाव और अटूट संबंध बनता है। *

कविता / सरस्वती रमेश

मां की उपस्थिति

मां तुम्हारी उपस्थिति से
घर को नया अर्थ मिलता है
रिश्तों को ऊष्मा
परिवार को स्नेह
ममता की आंच पर
रसोई में पकते हैं
संतुष्टि के नए आयाम
भूख और भोजन का रिश्ता
भावना और अहसास सा
कोमल हो जाता है
और भोजन का हर निवाला
प्रसाद सा पवित्र

मां तुम्हारे होने से
घर का हर कोना
सजीव हो उठता है
तुम्हारे प्यार की गर्माहट
बिखरी रहती है हर तरफ
जीवन की कड़ी धूप में
तुम्हारे आंचल का साया
घना और शीतल आश्वासन है
कि तुम्हारे होने भर से
मुश्किलों के पहाड़
बौने और कमजोर
पड़ जाते हैं।

छोटी कहानी / शीला श्रीवास्तव

तरकीब

'मां जी यह लीजिए मटर, फटाफट छील दीजिए। राहुल को मटर की कचौड़ी खानी है।' बड़ी बहू अपनी सास को मटर की थैली थमाते हुए बोली। सविता जी जल्दी-जल्दी मटर छीलने लगीं। जैसे ही मटर छीलने काम खत्म हुआ, छोटी बहू चावल बिनने के लिए थाली थमा गई। सविता जी का सारा समय दोनों बहुओं के दिए हुए काम में ही बीत जाता था। दो पल सुकून की सांस लेना भी उनके नसीब में नहीं था, जबकि दोनों बहुएं अपने-अपने काम से निवृत्त होकर दोपहर की नींद भी ले लेती थीं। पड़ोस में रहने वाली उनकी हमउम्र सहेली वीणा जब भी आतीं, सविता जी को काम करते देखतीं। आज उनसे रहा नहीं गया, उन्होंने कह ही दिया, 'यह क्या सविता? जब देखो तब काम में लगी रहती हो। यह कोई उम्र है काम करने की, सत्तर की हो चली हो तुम।'

'क्या करूं वीणा, मजबूरी है। मैं भी चाहती हूं कि जिंदगी की आखिरी पड़ाव में भगवान में मन लगाऊं।' सविता जी लाचारगी भरे स्वर में बोलीं। 'क्या तुम्हारी बहुएं बिना काम किए तुम्हें खाना नहीं देतीं?' वीणा ने पूछा। 'अब तुमसे क्या छिपाना। मेरे पति के देहांत के बाद दोनों बेटों ने आपस में तय कर लिया, दिन का खाना बड़ा बेटा देगा, रात का खाना छोटा बेटा। इसके एवज में दोनों बहुएं जब-तब मुझे कुछ न कुछ काम थमा देती हैं।' कहते हुए सविता जी के नेत्र सजल हो उठे।

वीणा कुछ सोचते हुए बोली, 'अच्छा बताओ, यह घर किसके नाम पर है?'

'घर तो मेरे नाम है।' सविता जी ने बताया।

'फिर तो कोई टेंशन ही नहीं है। एक तरकीब है मेरे दिमाग में। मेरा एक भतीजा है, जो वकील है। मैं उसे तुम्हारे पास सब कुछ समझा कर भेज दूंगी। तुम बस उससे थोड़ी-बहुत इधर-उधर की बातें करना। उसके जाने के बाद दोनों बहुओं से कहना कि अब मेरी उम्र हो गई है। मुझसे ज्यादा काम-धाम नहीं होता, इसलिए मैंने फैसला किया है कि जो बेटा-बहू मेरी देखभाल अच्छे से करेगा, यह घर में उसके नाम कर दूंगी।' वीणा ने अपनी सहेली को समझाया।

'लेकिन वीणा, यह तो दूसरे बेटे के साथ अन्याय नहीं होगा?' सविता जी एक कसक लिए बोलीं।

'तुम्हें बस यह बात अपने बहू-बेटों के कानों में डालनी है, जो मैंने कही है। घर तो दोनों बेटों के नाम पर ही होगा, दुखी मत हो। सूझ-बूझ से काम लो। बस तुम्हारे बचे हुए दिन आराम से निकल जाएंगे।' वीणा मुस्कराते हुए बोलीं।

'यानी कि मुझे झूठ का सहारा लेना पड़ेगा।' सविता जी हिचक रही थीं।

'जिस झूठ से किसी का नुकसान न हो, वह झूठ बोलने में हर्ज क्या है?' वीणा बोलीं।

सविता को अपनी सहेली वीणा की बात समझ में आ गई। उन्होंने ठीक वैसा ही किया। अब दोनों बहुओं में सविता जी की सेवा करने की होड़-सी लग गई। काम से छुटकारा मिला सो अलग से। सविता जी मन ही मन वीणा बहन का शुक्रिया अदा कर रही थीं, जिनकी तरकीब की वजह से उनका बुढ़ापा सुखमय हो गया था। *

विज्ञापन.......

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश ने डॉ. प्रमोद पहारिया को प्राईड ऑफ एम.पी. अवार्ड दिया।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in
NBC@

सांस्कृतिक आयोजन / धीरज बसाक

माउंट आबू में कल से शुरू हुआ समर फेस्टिवल, कई मायने में बहुत अलग और बहुरंगी आयोजन है। इसमें राजस्थान के सिर्फ अतीत की ही झांकी नहीं दिखाई जाती बल्कि यहां की लोक संस्कृति, शिल्प, संगीत और व्यंजनों को भी बहुत करीने से पेश किया जाता है, ताकि यहां आने वाले सैलानी राजस्थान की लोक संस्कृति के रंगों को करीब से महसूस कर सकें।

माउंट आबू समर फेस्टिवल

नेचर के करीब कला के रंग

राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला तीन दिवसीय 'माउंट आबू समर फेस्टिवल' लय और ताल की एक ऐसी सरगम रचता है, जिसमें शामिल होकर अलग ही आनंद की अनुभूति होती हैं। इस साल यह आयोजन कल आरंभ हो चुका है और कल यानी 12 मई को समाप्त होगा।

होते हैं कई आयोजनः माउंट आबू के इस विशेष बहुरंगी कार्निवल में लोकनृत्य, संगीत, रंग-बिरंगे जुलूस और एक से बढ़कर एक रोमांचक प्रतियोगिताएं देखने को मिलती हैं। इस तीन दिवसीय उत्सव में एक से बढ़कर एक कई आकर्षक आयोजन होते हैं। जैसे माउंट आबू की गोद में स्थित खूबसूरत नक्की झील में होने वाली नौका दौड़। इसके अलावा स्केटिंग रेस, मटका फोड़ प्रतियोगिता, रस्साकशी और रंग-बिरंगे जुलूस के साथ हर शाम समां बांधने वाली शाम-ए-कव्वाली कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं। राजस्थानी संस्कृति, आदिवासी रीति-रिवाजों और लोकरंगी परंपराओं के फ्यूजन का जो नजारा माउंट आबू समर फेस्टिवल में दिखता है, वैसा लोकधर्मी आनंदोत्सव शायद ही कहीं और देखने को मिलता हो।

मिलता है अनोखा अनुभवः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थान के सबसे मशहूर सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है, जो अपने आपमें राजस्थानी लोकसंस्कृति का सबसे बड़ा प्रतीक है। मई के महीने में जब राजस्थान ही नहीं बल्कि समूचे उत्तर भारत का मैदानी हिस्सा तप रहा होता है, तब मरु प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन यहां आने वाले सैलानियों को गर्मी की तपिश से जीवंत ताजगी का अनुभव प्रदान करता है।

गर्मी में ताजगी का एहसासः यह कहना गलत नहीं होगा कि यह ग्रीष्मोत्सव, यहां आए सैलानियों को मानसून के पहले कला और संस्कृति की आनंदमय बारिश में भीगने का सुकून देता है। माउंट आबू के मनोरम नजारे, शांत झीलें एक ऐसा वातावरण रचती हैं, जो इस उत्सव में चार चांद लगा देते हैं। यह पारंपरिक राजस्थानी संगीत का आनंदोत्सव है, जो अपनी रग-रग में राजस्थान के आदिवासी जीवन और संस्कृति का परिचय देता है।

हर साल बुद्ध पूर्णिमा के समय आयोजित होने वाला यह फेस्टिवल पहाड़ी क्षेत्र के लोगों की चमक और उनके मेहनत, मशक्कत भरे जीवन में रंग-बिरंगी खुशबुओं का खजाना पेश करता है। युवा इस उत्सव में न सिर्फ सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साह से भाग लेते हैं, बल्कि नाचते-गाते, तरह-तरह के व्यंजनों का लुत्फ उठाते और उत्सव का आनंद लेते हैं।

दिखती है सांस्कृतिक झलकः राजस्थान का यह समर फेस्टिवल, भले प्रदेश के बहुत सारे समर फेस्टिवल्स में से एक हो, लेकिन इसमें प्रदेश के संपूर्ण सांस्कृतिक परिदृश्य की झलक दिखती है। इस लोकोत्सव में गवरी, घूमर, गेर, डांडिया जैसे कई तरह के लोकनृत्य प्रस्तुतियां देखने को मिलती हैं। साथ ही यहां हर शाम सूफी परंपराओं का एक ऐसा नजारा, भजन और कव्वाली के रूप में सामने आता है, जिसकी भव्यता का अनुमान इस फेस्टिवल में शामिल हुए बिना नहीं की जा सकती है। राजस्थान की लोकलुभावन पारंपरिक लोकसंस्कृति से इतर, यह कार्यक्रम बिल्कुल एक अलग आध्यात्मिकता के धवल रंग में डूबा माहौल रचता है, जहां लोग भक्ति और अध्यात्म के अलग स्तर का अनुभव करते हैं।

नायाब शिल्प का आकर्षणः माउंट आबू समर फेस्टिवल, राजस्थानी हस्तशिल्प और लोककलाओं का भी नायाब मंच है। इस फेस्टिवल में इस मरुधरा के विभिन्न हिस्सों से आए शिल्पकार अपनी कलाकृतियों के उत्कृष्ट नमूने पेश करते हैं। ऐसे में ये जहां आनंद का उत्सव है, वहीं कला का एक विहंगम मंच भी है।

जायकेदार व्यंजनों का मजाः राजस्थान के किसी भी दूसरे लोकोत्सव की तरह यहां भी सैलानी, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद भी ले सकते हैं। वैसे भी कहा जाता है, जहां राजस्थानी लोकरंग होंगे, वहां सबसे यादगार तो जायके का रंग ही होगा। इसलिए माउंट आबू समर फेस्टिवल, खासतौर पर गट्टे की सब्जी, मिर्ची बड़ा और दाल-बाटी-चूरमा के लिए सैलानियों के बीच खूब प्रसिद्ध है। इस फेस्टिवल में राजस्थान के हर कोने में बनने वाली तीन दर्जन से ज्यादा राजस्थानी मिठाइयां चखने का भी मौका मिलता है।

बड़ी तादाद में जुटते हैं सैलानीः माउंट आबू समर फेस्टिवल, इतना बहुरंगी होता है कि जो भी सैलानी एक बार यहां आता है, वो बार-बार यहां आना चाहता है। यही कारण है कि हर गुजरते साल के साथ माउंट आबू महोत्सव, देशी-विदेशी सैलानियों का बहुत बड़ा मिलनोत्सव भी बन चुका है। हर साल इस फेस्टिवल में यहां देश-विदेश के कई लाख सैलानी आते हैं, जिनमें सबसे ज्यादा गुजरात, पंजाब, दक्षिण भारतीय राज्यों, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के लोग होते हैं, वहीं विदेशी सैलानियों में बड़ी तादाद यूरोपीय देश के सैलानियों की होती है। साल दर साल विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ती जा रही है। क्योंकि पिछले कुछ सालों से इसकी लोकप्रियता बहुत बढ़ गई है। *

सेल्फ इंप्रूवमेंट / विवेक कुमार

अगर तमाम कोशिशों के बाद भी आप मनचाही प्रोग्रेस नहीं कर पा रहे हैं तो सेल्फ एनालिसिस करें, कहीं आप वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी के शिकार तो नहीं? इस बारे में हम दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

आपकी प्रोग्रेस में बाधक है वीक कॉन्फिडेंस पर्सनालिटी

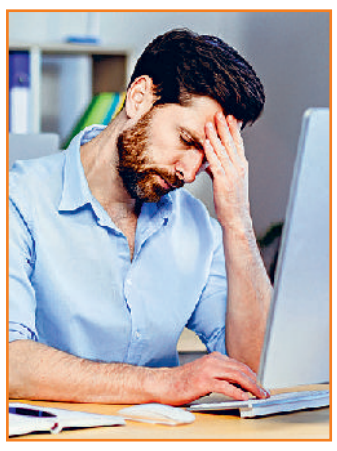

वीक पर्सनालिटी उनकी होती है, जिनका सेल्फ रेस्पेक्ट कम होता है, जिनमें कॉन्फिडेंस की कमी होती है और जो हमेशा दूसरों से प्रभावित होते हैं। ऐसे लोगों के रिश्तों पर भी इसका हमेशा नकारात्मक असर होता है। इनकी आवाज में भी हमेशा आत्मविश्वास की कमी झलकती है। वे अपने निर्णयों के प्रति अनिश्चित होते हैं। वे जो निर्णय लेते हैं, उसमें हर समय बदलाव करते रहते हैं। इसके विपरीत एक स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति इन गुणों से अलग होता है। ऐसा व्यक्ति अपने आपको जिस तरह से पेश करता है, वो अंदाज ही इंप्रेसिव लगता है। वह अपनी बात मजबूती और विश्वास से सामने रखता है। इसीलिए उसका लोग सम्मान करते हैं और उसे अधिकतर लोग पसंद करते हैं।

वीक कॉन्फिडेंस वाला आदमी सबकी हां में हां मिलाता है। वह जीवन को जिस ढंग से जीता है, उसके प्रति ही आश्वस्त नहीं होता। इसलिए वह दूसरों के तरीकों को सुनता है और उनका अनुसरण करता है। जो दूसरे कहते हैं, वही करता है। एक व्यक्ति के रूप में उसको अपने आप पर भरोसा नहीं होता। ऐसे लोगों में यहां बताए जा रहे गुण भी होते हैं। इन कमियों को दूर करके ही प्रोग्रेस की जा सकती है।

चुनौतियों से बचते हैंः ऐसे लोग संघर्ष और मुश्किलों से डरते हैं या कहें बचते हैं। वे अपने को इन कंडीशंस से बचाते हैं और चुनौती समाप्त होने की प्रतीक्षा करते हैं।

दूसरों को खुश करते हैंः वीक कॉन्फिडेंट व्यक्ति हमेशा दूसरों पर निर्भर रहते हैं, वे खुद को खुश करने की बजाय दूसरों को खुश करते हैं, जो व्यक्ति आत्मविश्वास से भरे होते हैं, वे हमेशा खुद को बेहतर बनाने और अपने जीवन को जितना संभव हो, उतना आसान और स्वतंत्र बनाने के तरीके खोजते रहते हैं।

दूसरों को महत्व देते हैंः कमजोर लोग खुद को लेकर इनसिक्योर होते हैं और वे हमेशा उन लोगों पर निर्भर रहते हैं, जिन्हें वे हमेशा पूर्ण मानते हैं। एक सफल व्यक्ति बनने के लिए आपको हमेशा निडर और मजबूत होना चाहिए। डर का सामना करना चाहिए और अपने भीतर आत्मविश्वास जगाना चाहिए।

नहीं होते ज्यादा दोस्तः लो कॉन्फिडेंट लोगों के ज्यादा और समझदार दोस्त नहीं होते हैं। वे अपने जैसे कमजोर लोगों से ही घिरे रहते हैं। असली भाईचारा किसी को आगे बढ़ने में मदद देने के साहस के साथ आता है और वो साहस ही है, जिसकी एक व्यक्ति को जरूरत होती है न कि किसी कमजोर आत्मविश्वास वाले व्यक्ति की। सफलता के लिए आपको तेज दिमाग और आत्मविश्वास से भरपूर लोगों के बीच रहने की जरूरत होती है, जो आगे बढ़ने में आपकी मदद करें।

नहीं ले पाते फैसलेः लो कॉन्फिडेंट लोग अपने जीवन के छोटे हों या बड़े फैसले आसानी से नहीं ले पाते हैं। हर फैसले के लिए उनको दूसरों के सलाह और सहायता की जरूरत होती है। ऐसे लोग बड़ी उपलब्धि हासिल नहीं कर पाते हैं। इसलिए खुद में डिसीजन मेकिंग की पावर डेवलप करना बहुत जरूरी है।

कमजोर होती है आवाजः किसी व्यक्ति की आवाज और उसके बोलने का अंदाज बताता है कि वह कमजोर आदमी है या मजबूत आदमी। वे खुद पर भरोसा नहीं दिखाते और आमतौर पर दूसरों द्वारा इग्नोर किए जाते हैं। आत्म जागरूकता की कमी के कारण ऐसे लोग अपने पर विश्वास नहीं करते इसलिए खुलकर अपनी बात नहीं रख पाते हैं। कमजोर आदमी को उसके आवाज के लहजे से पहचानना आसान है। जब आप लोगों से बात करते हैं तो आत्मविश्वास दिखाना यह दर्शाता है कि आपको खुद पर दृढ़ विश्वास है।

सीखने से बचते हैंः जो आदमी सीखने का इच्छुक होता है, वह आत्म सुधार को महत्व देता है। ऐसा गुण कोई कमजोरी नहीं दिखाती, निरंतर सीखना आपके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण आदत है और यह रोजमर्रा के जीवन में शामिल होना चाहिए। रोज सीखने से आपके जीवन के लिए एक स्पष्ट उद्देश्य विकसित होता है और आपके आस-पास की हर चीज को अर्थ मिलता है। लेकिन वीक पर्सनालिटी वाले लोग नई स्किल्स को सीखने और ज्ञान को अपनाने से इंकार करते हैं। यही इनकी सबसे बड़ी कमजोरी होती है। ऐसे लोग कम ज्ञान का भी बहुत ज्यादा दिखावा करते हैं। वहीं स्ट्रॉन्ग पर्सनालिटी वाला व्यक्ति हमेशा सीखने को तैयार रहता है। कहने का सार यही है कि अगर आपकी पर्सनालिटी में कॉन्फिडेंस की कमी है तो उसे दूर किया जा सकता है, अपनी पर्सनालिटी को स्ट्रॉन्ग बनाया जा सकता है। *

प्राकृतिक धरोहर / शिवचरण चौहान

सिंधु नदी को गंगा नदी के समान ही पूज्य और जीवनदायिनी माना जाता है। इन दिनों चर्चित सिंधु नदी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य जानिए, जिससे आप इसकी महत्ता को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।

भारत की प्राचीनतम भव्य-दिव्य सिंधु नदी

भारत की प्राचीनतम नदियों में से एक सिंधु नदी, दुनिया की सबसे लंबी नदियों में भी शामिल है। इस नदी का उल्लेख दुनिया के प्राचीनतम ग्रंथ 'ऋग्वेद' में भी मिलता है। इसके बारे में ऋगवेद में कहा गया है कि यह अत्यंत वेगवान नदी है। प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति को समझने के लिए सिंधु घाटी सभ्यता का अध्ययन आवश्यक माना जाता है। एक पूरी सभ्यता का नामकरण जिस नदी के नाम पर हुआ है, इतिहास में उस नदी की महत्ता को सहज ही समझा जा सकता है।

प्राचीन ग्रंथों में उल्लेखः ऋग्वेद सहित अन्य तीनों वेदों में भी सिंधु नदी का उल्लेख तीस बार से भी अधिक आया है। वाल्मीकि कृत 'रामायण' में सिंधु का उल्लेख महानदी के रूप में मिलता है। 'महाभारत' और कालिदास कृत 'रघुवंशम' आदि ग्रंथों में सिंधु की पवित्रता का बखान किया गया है। ऋग्वेद में कहा गया है कि कैलाश शिखर से तीव्र वेग से नीचे गिरने वाली सिंधु नदी के गर्जन की ध्वनि आसमान तक गूंजती है। सिंधु की तुलना एक गरजते हुए वृषभ (बैल) से की गई है। लेह-लद्दाख के प्राकृतिक सौंदर्य और सिंधु का कलकल स्वर बरबस ध्यान खींच लेते हैं।

तट पर हुई सभ्यता विकसितः हजारों साल पहले इसी सिंधु नदी के किनारे बड़े-बड़े नगर, गांव कस्बे बसे हुए थे। खुदाई में इनके अवशोष मिले हैं। जिनसे प्राचीन सभ्यता का अनुमान लगाया गया है। सिंधु घाटी सभ्यता यहीं इसी नदी के तट पर पनपी थी।

नदी का उद्गमः सिंधु नदी, हिमालय से दक्षिणी पश्चिमी तिब्बत, मानसरोवर के कैलाश पर्वत के पास सिन का बाब ग्लेशियर से निकलती है। 16 हजार फीट ऊंचे उद्गम स्थल से निकलने के बाद यह नदी लद्दाख में देमचोक के निकट भारत भूमि में प्रवेश करती है। कुछ और नीचे उतरने पर श्योल, शिग, हुंजा, गिलगित आदि नदियां सिंधु में मिल जाती हैं। इस तरह सिंधु नदी, भारत में हिमालय से तिब्बत के पास एक ग्लेशियर से निकल कर पाकिस्तान के कराची शहर के पास अरब सागर में गिरती है। सतलज, रावी, चिनाब, झेलम आदि नदियां सिंधु की ही सहायक नदियां हैं। सिंधु नदी की लंबाई लगभग 2880 किलोमीटर है।

सिंधु दर्शन कार्यक्रमः भारत सरकार ने सिंधु की प्राचीनता, सभ्यता और संस्कृति को रेखांकित करने के लिए, देश और विदेश के लोगों को इस नदी और इसकी सांस्कृतिक महत्ता को बताने के लिए सिंधु दर्शन कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1998 में की थी। अपने प्रधानमंत्री पद के कार्यकाल में अटल बिहारी बाजपेयी ने सिंधु दर्शन कार्यक्रम शुरू किया था। प्रत्येक वर्ष जून माह में लेह स्थित सिंधु नदी के तट पर सिंधु दर्शन कार्यक्रम संपन्न होता है। सिंधु तट पर बौद्ध अध्ययन संस्थान तथा सिंधु सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया गया है। सिंधु दर्शन कार्यक्रम जातीय एकता, सामुदायिक सौहार्द को बढ़ाने के साथ सिंधु नदी, सभ्यता संस्कृति को आदर देने का प्रतीक है।

सिंधु तट पर आयोजित सिंधु दर्शन कार्यक्रम की झलक

डाक टिकट किया गया जारीः डाक विभाग ने पवित्र नदी सिंधु की महत्ता प्रतिपादित करने तथा सिंधु दर्शन कार्यक्रम का प्रचार करने के लिए तीन रुपए मूल्य का एक बहुरंगी विशेष डाक टिकट जारी किया है। डाक टिकट में उतुंग पर्वत श्रेणियों से बहती सिंधु के प्राकृतिक स्वरूप का चित्रण किया गया है तथा इनसेट में वृषभ मुद्रा तथा ऋगवेद की एक पंक्ति अंकित है। दरअसल, सिंधु घाटी के साथ ही मोहन जोदड़ों तथा हड़प्पा की सभ्यता की खुदाई में जो सिक्के मिले हैं, उनमें वृषभ (बैल) के चित्र बने हैं। उस सभ्यता में गाय और बैल पूज्यनीय माने जाते थे। बैल ही कृषि का तथा परिवहन का मुख्य आधार थे। सिंधु घाटी सभ्यता की बहुत सी जानकारी अभी खोजी जा रही है। *

मां हर इंसान के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं। हमारी फिल्मों में भी मां की भूमिका और उनके महत्व को बहुत ही सशक्त ढंग से उभारा गया है। फिल्मों में मां की भूमिका को कई अभिनेत्रियों ने अपने सशक्त अभिनय से यादगार बना दिया। एक नजर ऐसी ही कुछ अभिनेत्रियों पर।

इन अभिनेत्रियों ने यादगार बना दिया फिल्मों में मां का किरदार

बड़ा पर्दा / हेमंत पाल

हम सबकी जिंदगी की कहानी में ही नहीं, फिल्मी पर्दे पर भी कथानक का अहम हिस्सा रही हैं। किरदार, अंदाज चाहे जो भी रहा हो, कई ऑनस्क्रीन मांओं ने हमेशा दर्शकों के मन पर अपनी अलग छाप छोड़ी। कई फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें मां के किरदारों ने ही सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कुछ अभिनेत्रियों ने मां के किरदार को इतनी बखूबी निभाया कि फिल्मों में मां की बात हो, तो जेहन में इनकी ही छवि उभरती है।

नरगिस की पहचान से जुड़ गई-मदर इंडियाः जब भी फिल्मों में मां की सशक्त भूमिका का जिक्र आता है, 'मदर इंडिया' में नरगिस द्वारा निभाई गई भूमिका को जरूर याद किया जाता है। 1957 में आई इस फिल्म में नरगिस ने राधा का किरदार निभाया, जो एक मां है और अपने दोनों बेटों को बेहतर जीवन देने के लिए संघर्ष करती है। फिल्म में नरगिस ने सुनील दत्त और राजेंद्र कुमार की मां की भूमिका को जीवंत किया था। उन्होंने ऐसी मां का किरदार निभाया, जिसके हाथ अपने बेटे के अन्याय करने पर उसकी जान लेने से नहीं हिचकते।

अचला सचदेव

दीना पाठक

अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां निरुपा रायः निरुपा राय का नाम सुनते ही जेहन में उनके द्वारा निभाई गई मां की कितनी ही भूमिकाएं एक साथ उभरती हैं। उन्हें अमिताभ बच्चन की ऑनस्क्रीन मां भी कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कई फिल्मों में अमिताभ की मां की भूमिका निभाई। 'दीवार' में निरुपा रॉय ने एक ऐसी मां का किरदार निभाया, जो अपने बेटों के लिए सब कुछ करती है। उन्होंने 'मुकद्दर का सिकंदर', 'अमर अकबर एंथनी', 'सुहाग' जैसी फिल्मों में भी अमिताभ की मां की भूमिका निभाई।

मां की भूमिका में खूब पसंद की गईं नूतनः अपने दौर की बेहतरीन अभिनेत्री और पूर्व मिस इंडिया नूतन ने भी कई फिल्मों में मां की भूमिका निभाई। इनमें 'मेरी जंग', 'नाम', 'मुजरिम', 'युद्ध और 'कर्मा' जैसी फिल्में उल्लेखनीय हैं।

राखी ने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः यदि निरुपा राय को अमिताभ की मां कहा जाता है, तो राखी अनिल कपूर की फिल्मी मां कही जाती हैं। 'राम लखन', 'प्रतिकार', 'जीवन एक संघर्ष' में राखी, अनिल कपूर की मां बनी थीं। इन फिल्मों के अलावा 'खलनायक', 'सोल्जर', 'बॉर्डर', 'करण-अर्जुन', 'बाजीगर', 'अनाड़ी' जैसी फिल्मों में राखी ने मां का किरदार निभाया। राखी ने अधिकतर दृढ़, अपने विश्वास और संकल्प पर अडिग मां की भूमिकाएं निभाईं। 'राम लखन', 'करण-अर्जुन' जैसी फिल्मों में उनके निभाए मां के किरदार को लोग आज भी याद करते हैं।

नब्बे के दशक की प्यारी मां रीमा लागूः नब्बे के दशक में रीमा लागू ने नए दौर की पारिवारिक और प्यारी मां की भूमिका को पर्दे पर जीवंत किया। रीमा लागू को सलमान खान की फिल्मी मां के रूप में पहचान मिली है। इन्होंने 'मैने प्यार किया', 'साजन', 'हम आपके हैं कौन', 'हम साथ-साथ हैं', 'जुड़वां' और 'पत्थर के फूल' जैसी सुपरहिट फिल्मों में सलमान खान की मां की प्रभावी और यादगार भूमिकाएं निभाईं। उनकी मां की भूमिका वाली अन्य फिल्मों में 'कयामत से कयामत तक', 'आशिकी', 'कुछ-कुछ होता है' आदि शामिल हैं। 'वास्तव' में उनके द्वारा निभाया गया संजय दत्त की मां का रोल बहुत ही सशक्त एवं प्रभावशाली था।

'मदर इंडिया' में सशक्त मां की भूमिका में नरगिस

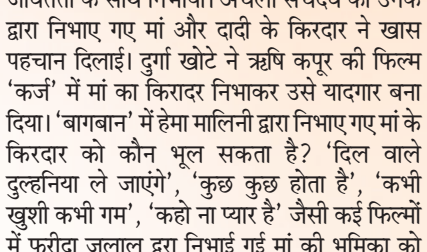

'राम लखन' में मां के किरदार में राखी

'दीवार' में निरुपा राय ने निभाई मां की यादगार भूमिका

हजार चौरासी की मां जया बच्चनः जया बच्चन के फिल्मी करियर में उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार भी उल्लेखनीय हैं। 'हजार चौरासी की मां' में उनके द्वारा निभाई गई एक सशक्त मां की भूमिका का जिक्र आज भी किया जाता है। 'कभी खुशी कभी गम' और 'कल हो ना हो' में भी जया बच्चन द्वारा निभाए गए मां के किरदार को खूब सराहना मिली।

रीमा लागू

जया बच्चन

इन्होंने भी निभाई मां की यादगार भूमिकाएंः इनके अलावा हिंदी फिल्मों में ऐसी कई बेहतरीन अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने सिल्वर स्क्रीन पर मां की भूमिका को पूरी जीवंतता के साथ निभाया। अचला सचदेव को उनके द्वारा निभाए गए मां और दादी के किरदार ने खास पहचान दिलाई। दुर्गा खोटे ने ऋषि कपूर की फिल्म 'कर्ज' में मां का किरादर निभाकर उसे यादगार बना दिया। 'बागबान' में हेमा मालिनी द्वारा निभाए गए मां के किरदार को कौन भूल सकता है? 'दिल वाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'कहो ना प्यार है' जैसी कई फिल्मों में फरीदा जलाल द्वरा निभाई गई मां की भूमिका को दर्शकों का खूब प्यार मिला। फिल्म 'दोस्ताना' की कूल मदर हो या 'देवदास' की कठोर मां या फिर 'हम तुम' की फ्रेंडली मॉम, किरण खेर ने हर तरह की मां की भूमिका को जीवंत किया। लीला चिटनिस, दीना पाठक, वहीदा रहमान, आशा पारेख, रेखा, रति अग्निहोत्री ऐसी कितनी ही अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने समय-समय पर फिल्मों में मां की भूमिका निभाईं और उनके द्वारा निभाए गए मां के किरदार को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की खूब सराहना मिली। *